तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय कंदुकुर टाउन

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA KANDUKUR TOWN

Vidyalaya e-Patrika

विद्यालय ई-पत्रिका

(AY 2024-25)

OUR PATRONS

डॉ डी. मंजुनाथ
उपायुक्त, केविसं, हैदराबाद संभाग

Dr. D. MANJUNATH
DEPUTY COMMISSIONER
KVS RO HYDERABAD

श्री टी प्रभुदास
सहायक आयुक्त
केवीएस - हैदराबाद क्षेत्र

Shri T PRABHUDAS
ASSISTANT COMMISSIONER
KVS - HYDERABAD REGION

श्रीमती पी अनुराधा
सहायक आयुक्त
केवीएस - हैदराबाद क्षेत्र

Smt. P ANURADHA
ASSISTANT COMMISSIONER
KVS - HYDERABAD REGION

श्री रेजी वी आर नाथ
सहायक आयुक्त
केवीएस - हैदराबाद क्षेत्र

Shri REJI V R NATH
ASSISTANT COMMISSIONER
KVS - HYDERABAD REGION

श्रीमती जी कृष्णवेणी
सहायक आयुक्त
केवीएस - हैदराबाद क्षेत्र

Smt. G KRISHNAVENI
ASSISTANT COMMISSIONER
KVS - HYDERABAD REGION

Ms.TIRUMANI SRI POOJA., I.A.S.,
SUB COLLECTOR,
KANDUKUR,
SPSR NELLORE DISTRICT,
ANDHRA PRADESH.

SUB COLLECTORS OFFICE
Kandukur.

Phone : 08598 223235
Cell : 8712622671
Email: rdokdkr@gmail.com

MESSAGE

As the Chairman of VMC PM SHRI KV Kandukur Town, I extend my heartfelt congratulations to Shri Arjun Singh, the esteemed Principal of KV Kandukur, along with the dedicated teachers and talented students, on the publication of "Vidyalaya e-Patrika" for the academic year 2024-25. This initiative reflects the school's commitment to nurturing creativity and self-expression among young minds.

A school is more than a place of learning; it is where ideas take flight and young voices are nurtured. "Vidyalaya e-Patrika" is not just a collection of writings—it showcases the imagination, aspirations, and perspectives of our students, helping them grow into confident individuals.

KendriyaVidyalayas are known for their holistic approach, blending academics with an environment that fosters curiosity and artistic expression. In such a space, young writers flourish, turning their thoughts into inspiring narratives, poetry, and reflections.

I extend my sincere appreciation to the Principal, teachers, and staff for their dedication in guiding and mentoring the students. My heartfelt congratulations to all the young writers for their wonderful contributions. May this platform continue to inspire creativity and intellectual growth for years to come.

Ms. Tirumani Sri Pooja, IAS

Sub Collector, Kandukur Town

&

Chairman of VMC KV Kandukur

प्राचार्य का संदेश

"पीएम श्री केवी कंदुकुर टाउन के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को 'विद्यालय ई-पत्रिका' के प्रकाशन पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं!

यह "ई-पत्रिका" हमारे विद्यालय के छात्रों की रचनात्मकता, लेखन, कौशल और प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन है।'विद्यालय ई-पत्रिका' न केवल हमारे छात्रों को अपनी भावनाओं और विचारों को व्यक्त करने का मंच प्रदान करती है, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए भी तैयार करती है। मैं अपने छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना करता हूँ।

मैं अपने सभी शिक्षकों और कर्मचारियों का भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने इस पत्रिका के प्रकाशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही, मैं माननीय विद्यालय प्रबंधन अध्यक्ष महोदया, सुश्री तिरुमणि श्री पूजा, आईएएस, उप कलेक्टर, कंदुकुर टाउन और माननीय उपायुक्त महोदय डॉ. डी मंजूनाथ, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, हैदराबाद संभाग का आभारी हूँ, जिनका मार्गदर्शन और समर्थन हमें निरंतर प्रेरित करता है।

एक बार पुन: सभी को बधाई! मैं पीएम श्री केवी कंदुकुर टाउन के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।"

अर्जुन सिंह
प्राचार्य

हिन्दी

1.मार्गी

एक बार की बात है। जब मैं नौ साल की थी तब मेरे पापा का ट्रांसफर ऊटी हो गया था। हम सबने वहाँ जाने की तैयारी कर ली थी। बस सामान को टेम्पो में भिजवाने की देरी थी। इतना सब करके हम भी ऊटी के लिए रवाना हुए। दो दिन बाद हम वहाँ पहुँचे। वह जगह बहुत अच्छी व हरी-भरी थी। हमारे घर से थोड़ी ही दूर पर एक जंगल था। जहाँ मुझे जाना मना था। अभी हमारा सामान आने में दो दिन थे। मैं ज़्यादातर घर पे ही रहती थी या कभी-कभी बाहर टहलने भी चली जाया करती थी। शुरुआत में तो मेरा मन वहाँ ठीक-ठाक लग गया, फिर मैं अकेले बहुत बोर होने लगी । दो दिन बाद हमारा सामान आया। फिर मैं अपना मन लगाने के लिए कुछ गाने सुन लिया करती थी । एक दिन, मैं इसी तरह गाने सुन रही थी, कि तभी मुझे पीछे से एक चिड़िया की आवाज आई जब मैंने पीछे मुड़कर देखा तो वह एक काली रंग की बुलबुल थी। वो भी अपनी "चीं-चीं" की आवाज़ में गाना गाने की कोशिश कर रही थी। जब मैंने गाना बंद कर दिया तब वो चुप हो गई और मुझे ऐसे देखने लगी कि मुझे गाना दोबारा बजाने को कह रही हो। अब वो बुलबुल मेरे घर रोज़ आने लगी । जब भी वो आती मैं उसे कुछ न कुछ खाने को ज़रूर देती। इससे हम दोनों अच्छे दोस्त बन गए। एक दिन मैं अपने घर के बाहर बॉल से खेल रही थी। मेरी बॉल घर से दूर चली गई। मैं थोड़ी दूर उसे देखने गई कि मेरी बॉल कहाँ है। मैं अपनी बॉल ढूँढ़ने उस जंगल में चली गई, मुझे मेरी बॉल तो मिल गई थी। फिर मुझे मेरी दोस्त वो बुलबुल दिखाई दी मैं उसका पीछा करने लगी और कुछ समय बाद मुझे अहसास हुआ कि मैं तो जंगल में आ चुकी हूँ। जब मैंने घर वापस जाने की कोशिश की तो मैं रास्ता भटक गई, और मैंने देखा कि यहाँ तो अंधेरा होने वाला है। तभी मुझे एक आवाज़ सुनाई देती है। वो आवाज़ मुझे जैसे जानी-पहचानी सी लगी। फिर मुझे पता चला कि ये तो उसी बुलबुल की आवाज़ है। मैंने उसकी आवाज़ का पीछा किया । फिर मैंने देखा कि मैं तो अपने घर वापस आ चुकी हूँ। मेरे माता-पिता भी मेरी राह देख रहे थे।

मैंने अपने माता-पिता को ये सारी बात बताई। हाँ, मुझे पता था कि इसके लिए मुझे थोड़ी डाँट भी पड़ेगी लेकिन मैंने सॉरी बोलकर ऐसा वादा किया कि मैं कभी अकेले कहीं नहीं जाऊँगी। और इसके बाद मुझे माफ़ भी कर दिया गया। लेकिन मेरे माता-पिता भी हैरान थे कि एक छोटी-सी चिड़िया ने मेरी मदद की। मैंने इस घटना के बाद उस बुलबुल का नाम मार्गी रखा और हमारी दोस्ती और भी पक्की होती गई और उसी दिन से मुझे प्रकृति के दो नियम भी पता चले, पहला ये की सिर्फ़ हम ही नहीं बल्कि पक्षी भी हमारी भावनाओं व प्यार को अच्छे से समझते हैं| और दूसरा ये की अगर हम किसी पशु या पक्षी की मदद करते हैं तो बदले में वो हमें उसका दुगुना देते हैं| और उसी दिन से मुझे पशु-पक्षियों से बहुत लगाव होने लगा।

श्वेता सिंह

कक्षा- 9

2.प्रकृति का हमारे जीवन में महत्व

प्रकृति पूरे इतिहास में मानव जाति का पोषण और सुरक्षा करती रही है | यह हमें एक सुरक्षा कवच प्रदान करती है जो हमें नुकसान से बचाता है और हमारे अस्तित्व को बनाए रखती है। प्रकृति के बिना मानव के लिए जीवित रहना असंभव-सा है। अतः हमे भी प्रकृति का संरक्षण करना चाहिए और अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए।

के. दीपिका

कक्षा- 7

3.माँ

माँ का आँचल, सर्दियों की धूप,
हर दर्द में बने वह सच्चा रूप |
उसकी ममता का कोई मोल नहीं,
संसार में माँ से बड़ा कोई तोल नहीं |

थक जाऊँ जब जीवन की राहों में,
उसकी गोद में चैन पाऊँ बाँहों में |
दुआओं का है वो चलता सागर,
माँ की मूरत से जीवन सुगंधित हर |

माँ की ममता गहरी नदी,
जिसमें डूबे हर खुशी |
चोट लगे तो दर्द सह ले,
बच्चों के लिए सब कुछ कह दे |

हर रात जाग कर सुलाती है,
अपने हिस्से का चाँद खिलती है |
माँ तेरा ऋण कभी चुका ना पाऊँगी,
तेरी गोद में हर जन्म मैं ही आऊँगी|

समरीन

कक्षा-8

4. प्रकृति की सुंदरता

मौसम की बदली हुई रंगीनी है,
फूलों की खुशबू से महकी हुई है,
हरियाली की चादर ओढ़ी हुई है,
प्रकृति की सुंदरता को दर्शाती हुई है,
पक्षियों की चहचहाहट सुनाई देती है,
नदियों की कलकल ध्वनि सुनाई देती है,
पहाड़ों की विशालता देखी जा सकती है,
प्रकृति की सुंदरता को महसूस किया जा सकता है
प्रकृति की सुंदरता अनंत है
हमें इसे बचाना होगा साथ मिलकर

सामंथा ग्रेस

कक्षा- 8

5.मेरे पिता मेरे हीरो

मेरे पिता मेरे हीरो हैं,
उनकी शिक्षा मुझे जीवन की राह दिखाती है |
उनके कदमों में मेरा भविष्य है,
उनकी बातों में मेरी सीख है |
उनकी मेहनत मेरे लिए प्रेरणा है,
उनका प्यार मेरे लिए सब कुछ है |
मेरे पिता मुझे सिखाते हैं,
जीवन की सच्चाइयों को समझना |
उनकी बातें मेरे दिल में बसती हैं,
उनका प्यार मेरे लिए अमर है |
मेरे पिता मेरे हीरो हैं,
उनकी यादें मेरे दिल में बसती हैं |
मैं उनकी शिक्षा को कभी नहीं भूलूँगी ,
उनका प्यार मेरे लिए हमेशा के लिए है |
मेरे पिता मेरे हीरो हैं,
मैं उन पर गर्व करती हूँ |

जी. मनस्वी

कक्षा- 8

6.मेरा सपना मेरा भारत

भारत, एक ऐसा देश जहाँ विविधता में एकता का अद्भुत संगम है । यहाँ हर कदम पर हमें इतिहास की गौरव गाथाएँ , संस्कृति की समृद्धि और प्रकृति की सुंदरता दिखाई देती है । मैं इस देश का नागरिक होने पर गर्व महसूस करता हूँ । मेरा सपना है कि भारत एक ऐसा देश बने जहाँ हर व्यक्ति को समान अवसर मिले । जहाँ शिक्षा, स्वास्थ्य और रोज़गार सभी के लिए सुलभ हो । मैं चाहता हूँ कि भारत एक ऐसा देश बने जहाँ ग़रीबी, अशिक्षा और भ्रष्टाचार का नाम-ओ-निशान ना हो। मैं चाहता हूँ कि भारत वैज्ञानिक क्षेत्र में अग्रणी बने। हमारे वैज्ञानिक चिकित्सा, अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में नए-नए आविष्कार करें। मैं चाहता हूँ कि भारत एक ऐसा देश बने जहाँ हर नागरिक स्वस्थ, सुखी और समृद्ध हो। मैं अपने सपने को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करूँगा। मैं पढ़ाई में ध्यान दूँगा, अपने कौशल को निखारूँगा और अपने देश की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहूँगा। मैं विश्वास करता हूँ कि अगर हम सभी मिलकर काम करेंगे तो हमारा सपना साकार होगा। आओ, हम सब मिलकर भारत को एक आदर्श देश बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए।

चेंचू. वेंकटा कार्तिक

कक्षा- 8

7.किसान

कड़ी धूप हो या हो शीतकाल,

हल चलाकर ना होता बेहाल |

रिमझिम करता होगा सवेरा,

इसी आस में ना रोकता चाल |

खेती बाड़ी में जुटाता ईमान,

महान पुरुष है, है वो किसान |

छोटे-छोटे से बीज बोता,

वहीं एक बड़ा खेत होता |

जिसकी दरकार होती उसे,

बोकर उसे वह तभी सोता |

खेतों का कण-कण है जिसकी जान,

महान पुरुष है, है वो किसान |

लोहिता

कक्षा- 7

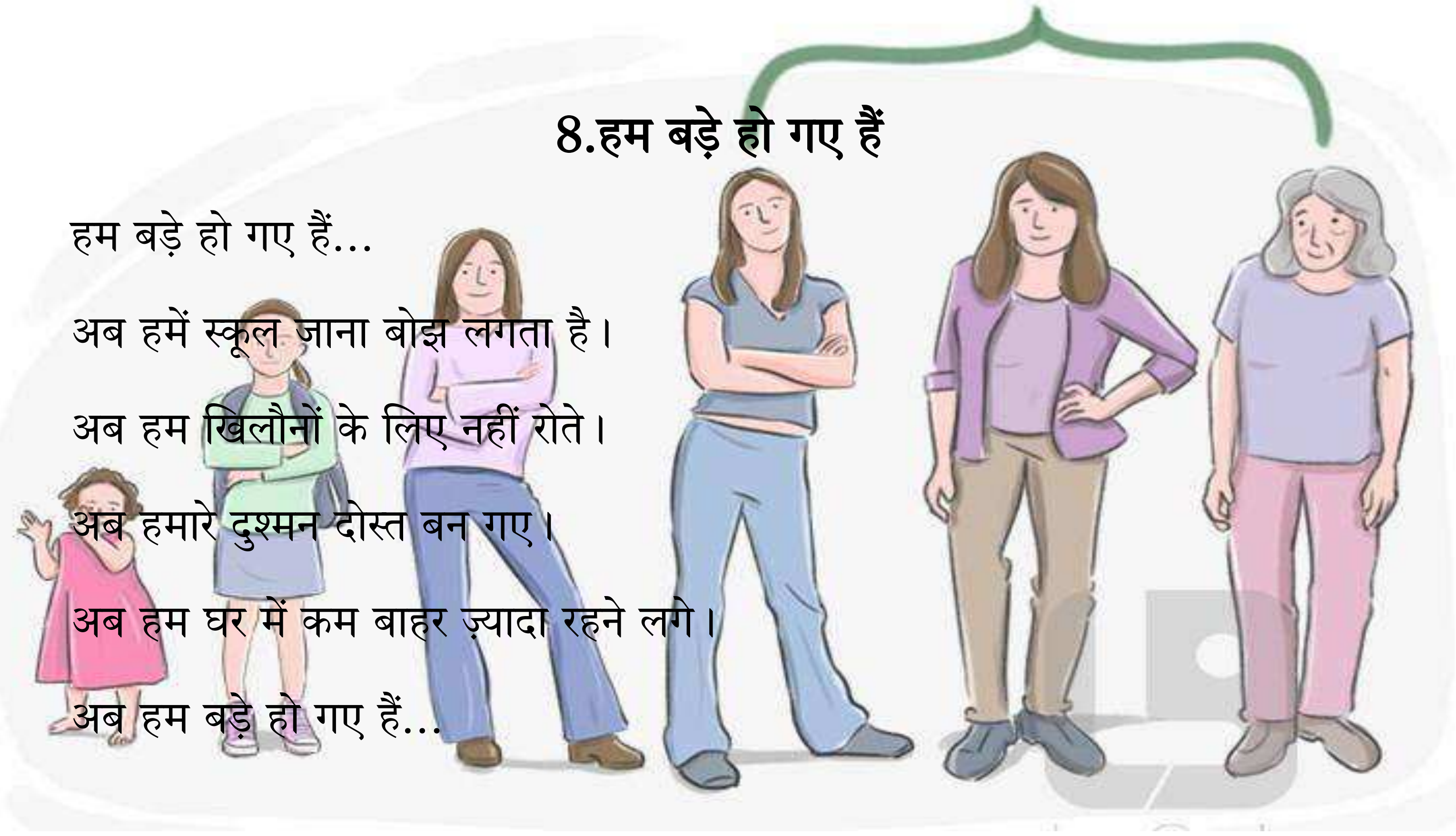

8.हम बड़े हो गए हैं

हम बड़े हो गए हैं...

अब हमें स्कूल जाना बोझ लगता है।

अब हम खिलौनों के लिए नहीं रोते।

अब हमारे दुश्मन दोस्त बन गए।

अब हम घर में कम बाहर ज़्यादा रहने लगे।

अब हम बड़े हो गए हैं...

हमारी दोस्ती

स्कूल का पहला दिन था, मेरे प्रिय दोस्त से पहली बार मुलाक़ात हुई थी । अब हमारी दोस्ती को कई साल हो गए हैं और लग रहा है कि, कितना ख़ूबसूरत था वह पल। अंजान व्यक्ति को अपना मानना। उसके साथ रहने के बहाने बनाना, हर लड़ाई-झगड़े के बाद एक मुस्कुराहट से फिर से मिल जाना, और उसका साथ छोड़ना भी उतना ही मुश्क़िल।

आस्मा कौसर

कक्षा- 9

9.शिक्षा का महत्व

शिक्षा व्यक्तिगत और सामाजिक विकास की आधारशिला है। यह व्यक्ति को जीवन की चुनौतियों का सामना करने और अपनी आकांक्षाओं को प्राप्त करने के लिए ज्ञान, कौशल और मूल्यों से सशक्त बनाती है। विद्यार्थियों के लिए, शिक्षा बौद्धिक विकास, आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और समस्या-समाधान को बढ़ावा देने का एक साधन है। यह आत्मविश्वास का निर्माण करती है, नैतिक मूल्यों का पोषण करती है और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करती है। व्यक्तिगत विकास से परे, शिक्षा समानता को बढ़ावा देती है, ग़रीबी को कम करती है और एक सूचित और कुशल कार्यबल बनाकर राष्ट्रीय प्रगति में योगदान देती है। यह एक आजीवन यात्रा है जो चरित्र को आकार देती है और क्षमता को बढ़ावा देती है, जिससे यह सफलता प्राप्त करने और दुनिया में सकारात्मक योगदान देने के लिए अपरिहार्य हो जाती है।

रिद्धि जनश्री

कक्षा- 7

10.तुलसीदास

तुलसीदास जी को गोस्वामी तुलसीदास के नाम से भी जाना जाता है। तुलसीदास जी का जन्म 1532 ई. में उत्तर प्रदेश के राजापुर गांव में हुआ। तुलसीदास जी के पिता का नाम पंडित आत्माराम दुबे और माता का नाम हुलसी था। बचपन में ही उनके माता-पिता का देहांत जो गया था , और उनके पिता के गुरुदेव श्री नरसिंह दास ने उनका पालन-पोषण किया। कम उम्र में ही तुलसीदास जी का विवाह रत्नावली से हो गया था। अपने विद्यार्थी जीवन के दौरान उन्होंने बहुत उत्सुकता से संस्कृत भाषा का अध्ययन किया। तुलसीदास जी को संस्कृत रामायण का अवधी रूप रामचरितमानस का अनुवाद करने का श्रेय दिया जाता है, जो भगवान विष्णु के आठवें अवतार भगवान श्री राम की जीवन गाथा है।

सामदीप

कक्षा -8

11.मित्रता

हम सब का कम से कम एक अच्छा मित्र होता है। मित्रता अनमोल रत्न के समान है। यह स्वाभाविक प्रेम से पैदा होती है। सृष्टि का एक अभूतपूर्व नियम है कि हमें अपने माता-पिता और भाई-बहन चुनने की स्वतंत्रता नहीं है लेकिन हम अपने मित्र स्वयं चुनते हैं। दो लोगों के बीच आपसी संबंध, वैचारिक एकता और समानता ही मित्रता की पहचान है। जो मित्रता सुख के क्षणों में कायम होती है, वह दुख की कसौटी पर भी खरी उतरती है। मित्रता आपसी लेन-देन और स्वार्थ से ऊपर होती है। सच्ची मित्रता तो औषधि के समान होती है जो पीड़ा और कष्ट को दूर करती है और जीवनदायक मधुर आनंद पैदा करती है।

डी. स्नेह लता

कक्षा- 7

12.सुनीता विलियम्स

सुनीता विलियम्स (जन्म: 19 सितम्बर, 1965; Euclid, Ohio, U.S.) अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी NASA के माध्यम से अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की दूसरी महिला हैं। वह भारत के पश्चिमी राज्य गुजरात के अहमदाबाद शहर से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने एक महिला अंतरिक्ष यात्री के रूप में 127 दिनों तक अंतरिक्ष में रहने का विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। सुनीता के पिता मूल रूप से गुजराती हैं। वे सन् 1958 में अहमदाबाद से अमेरिका आकर बस गए थे। सुनीता के पिता दीपक पांड्या और माँ बोनी पांड्या Massachusetts राज्य के Falmouth शहर में रहते हैं।

आएशा बानू

कक्षा – 7

13.समय का महत्व

समय और धन की दौड़ में हमेशा समय की जीत होती है। पैसा कमाना आपको अमीर बना देगा लेकिन समय को जीतना आपको सफल बनाएगा। समय फिर कभी लौट कर नहीं आता, आपको इसका उपयोग करने का एक ही मौका मिलता है। यदि आप आज समय का सदुपयोग करते हैं तो यह आपको कल लाभकारी परिणाम देगा। समय बहुत मूल्यवान है। और इसे अच्छे कार्यों में खर्च करने की आवश्यकता है। समय के मूल्य को समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह बदलता रहता है। समय कभी भी किसी एक के जीवन में एक जैसा नहीं हो सकता। जो व्यक्ति समय के महत्व को जानता है, और उसका सम्मान करता है, वह चतुर और बुद्धिमान माना जाता है। वह व्यक्ति अपने जीवन में सभी सफलता प्राप्त करने वाला होता है। हमें समय का महत्व तब पता चलता है, जब हमारे पास वास्तव में इसकी कमी होती है।

चरीश डी.

कक्षा – 6

14.पानी की यात्रा

एक छोटे से गाँव में एक लड़का था जिसका नाम रमेश था। वह अक्सर अपनी दादी से कहानियाँ सुनता रहता था, खासकर एक कहानी के बारे में जो उसे बहुत पसंद थी। वह कहानी थी "पानी की यात्रा" की। दादी उसे बतातीं, "पानी कभी नहीं रुकता। वह हमेशा कहीं न कहीं बहता रहता है। वह पहाड़ों से बहकर नदियों में आता है, फिर समुंदर तक पहुँचता है। और सबसे ख़ास बात यह है कि पानी कभी अपना रास्ता नहीं भूलता।" रमेश को यह कहानी बहुत अच्छी लगती थी, और एक दिन उसने तय किया कि वह ख़ुद पानी की यात्रा देखेगा। वह अपने दोस्तों के साथ तालाब के पास गया, जहां से पानी बहता था। उन्होंने नाव बनाई और पानी के साथ यात्रा पर निकल पड़े। रास्ते में उन्होंने देखा कि पानी कभी शांत होता है, कभी उफान मारता है, कभी ठंडा और कभी गर्म। वे नदियों, पहाड़ों, और जंगलों से होते हुए समुद्र तक पहुंचे। इस दौरान रमेश को यह समझ में आया कि जैसे पानी रास्ते में बदलता है, वैसे ही जीवन में भी बदलाव आते हैं। कभी हमें कठिनाई होती है, तो कभी हमें शांति मिलती है। जैसे पानी हर परिस्थिति में अपना रास्ता खोज लेता है, वैसे ही हमें भी हर हाल में आगे बढ़ते रहना चाहिए।अंत में जब वे वापस तालाब में लौटे, तो रमेश को एहसास हुआ कि पानी की यात्रा सिर्फ एक सफ़र नहीं था, बल्कि एक जीवन का सबक भी था। उसने समझा कि जीवन में चाहे जैसी भी समस्याएँ आएं, हमें धैर्य और साहस से उनका सामना करना चाहिए, क्योंकि जैसे पानी कभी नहीं रुकता, वैसे ही हमें भी कभी हार नहीं माननी चाहिए।यह कहानी रमेश के दिल में हमेशा बनी रही और उसने इस शिक्षा को अपने गाँववालों के साथ भी साझा किया।

शिवम कुमार
कक्षा- 7

15.विद्यालय: ज्ञान और विकास का केंद्र

विद्यालय हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह हमें ज्ञान, कौशल और मूल्यों को सिखाता है जो हमें अपने जीवन में सफल होने में सहायता करते हैं। विद्यालय हमें एक सुरक्षित और अनुशासनपूर्ण वातावरण प्रदान करता है जहां हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए काम कर सकते हैं।विद्यालय में हमें विभिन्न विषयों का ज्ञान प्राप्त होता है, जैसे कि गणित, विज्ञान, भाषा और सामाजिक विज्ञान। ये विषय हमें विश्व के बारे में जानने और समझने में मदद करते हैं। हमें विद्यालय में विभिन्न कौशलों का भी अभ्यास करने का अवसर मिलता है, जैसे कि लेखन, पढ़ना, गणित और विज्ञान प्रयोग।विद्यालय में हमें अनुशासन और समय प्रबंधन के महत्व के बारे में भी सिखाया जाता है। हमें सिखाया जाता है कि कैसे हम अपने समय को प्रभावी ढंग से प्रबंधित कर सकते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए काम कर सकते हैं। विद्यालय में हमें टीम वर्क और सहयोग के महत्व के बारे में भी सिखाया जाता है। हमें सिखाया जाता है कि कैसे हम दूसरों के साथ मिलकर काम कर सकते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एकजुट हो सकते हैं।विद्यालय में हमें विभिन्न प्रकार के खेल और गतिविधियों में भाग लेने का अवसर भी मिलता है। ये खेल और गतिविधियां हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने में मदद करती हैं। हमें विद्यालय में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर भी मिलता है। ये कार्यक्रम हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं के बारे में जानने और समझने में मदद करते हैं।निष्कर्ष में, विद्यालय हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह हमें ज्ञान, कौशल और मूल्यों को सिखाता है जो हमें अपने जीवन में सफल होने में मदद करते हैं। विद्यालय हमें एक सुरक्षित और अनुशासनपूर्ण वातावरण प्रदान करता है जहां हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए काम कर सकते हैं।

जया संतोषी
कक्षा - 8

16.अब तो मचा है हाहाकार

अब तो मचा है हाहाकार
वृक्ष बिना बुरा हुआ है हाल।
मानव ने यह किया कमाल, खुद को पाया नहीं संभाल।
कैसे-कैसे अब किए है खेल?
हाल बुरा है पेमल पेल।

गर्मी ने किया बुरा है हाल,
आज ग्लोबल हुआ है लाल।
ग्लेशियर पिघले हामल हाल,
खुद को पाया नहीं संभाल।
नदियों में इसने फेंका है जाल,
हर घर में आया है काल।

उमड़ी ,उफनी और लाई बाढ़,
धरती लगी अब आंखों काढ़ ।
ओजोन परत भी हुई अब चीर्ण अब पराबैंगनी हुई है प्रकीर्ण।
प्रदूषण ने सबको किया है क्षीण,
शरीर हो चुका अब सबका जीर्ण।

अक्षया
कक्षा 8
रोल नंबर:03

17.मेरा पसंदीदा खेल

खेल हमारे जीवन में बहुत अहम भूमिका निभाते हैं। ये न सिर्फ मनोरंजन का साधन होते हैं, बल्कि शारीरिक और मानसिक विकास में भी मदद करते हैं। खेल खेलने से हमारा शरीर मजबूत होता है और मन तरोताजा बना रहता है। सभी के अपने पसंदीदा खेल होते हैं, जिनमें खेलने का मजा ही कुछ और होता है।

मेरा पसंदीदा खेल क्रिकेट है। यह दो टीमों के बीच खेली जाती है जिसमें 11-11 खिलाड़ी होते हैं। क्रिकेट बैट और बॉल से खेला जाता है। इसमें एक टीम बल्लेबाजी और दूसरी गेंदबाजी करती है। क्रिकेट मैदान बड़ा और गोल होता है। मुझे क्रिकेट खेलना और देखना दोनों बहुत पसंद है। मेरे पसंदीदा खिलाड़ी एम.एस धोनी और विराट कोहली हैं। क्रिकेट खेल से शारीरिक और मानसिक चुस्ती बढ़ती है। यह खेल अनुशासन और एकता सिखाता है।

क्रिकेट के तीन प्रमुख प्रारूप होते हैं: टेस्ट मैच, एक दिवसीय (वनडे) और टी20। टेस्ट मैच सबसे लंबा होता है, जो पाँच दिनों तक चलता है, जबकि टी20 सबसे छोटा और तेज प्रारूप है। मुझे टी20 क्रिकेट सबसे ज्यादा पसंद है क्योंकि यह रोमांचक और तेज होता है।

क्रिकेट के कुछ महत्वपूर्ण नियम होते हैं जिन्हें खिलाड़ी और दर्शक दोनों को समझना चाहिए। प्रत्येक टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी बारी बारी से होती है। एक टीम पहले बल्लेबाजी करती है और दूसरी टीम उसे आउट करने की कोशिश करती है। बल्लेबाजी करने वाली टीम का लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाना होता है। जब दूसरी टीम बल्लेबाजी करती है, तो उसे पहली टीम के रन से अधिक रन बनाने होते हैं।

आउट होने के भी कई तरीके होते हैं जैसे बोल्ड, कैच आउट, रन आउट, स्टंपिंग, और एल. बी. डब्लू (लेग बिफोर विकेट)। अगर किसी बल्लेबाज को आउट कर दिया जाता है, तो वह मैदान छोड़ देता है और उसकी जगह अगला बल्लेबाज आता है।

मैं बड़ी होकर एक अच्छा क्रिकेटर बनना चाहती हूँ।

-डी. चरिता,
कक्षा पांचवी

18.पुस्तकों का महत्व

हमारे जीवन में कई ऐसी चीजें होती हैं जिनकी जरूरत उम्र के हर दौर में पड़ती है, चाहे हम कितने बड़े हो जाएँ या जीवन के किसी भी मुकाम पर पहुँच जाएँ उन्ही में से एक है किताब जिसे कभी बुक तो कभी पुस्तक और कई अन्य नामों से लोग पुकारते हैं। हमारी बेसिक शिक्षा से लेकर बड़े होने तक किताबों की जरूरत होती है। आप ने भी कहीं न कहीं यह सुना होगा कि ज्यादा से ज्यादा किताबें पढ़ा करो यह आपको एक जगह बैठे हुए दुनिया भर का अनुभव दे सकती है, ज्ञान दे सकती है और आपको एक परिपक्व व्यक्ति बनाने में मदद कर सकती है। पुस्तकों का मनुष्य के जीवन में एक अहम योगदान रहा है, न केवल आज के समय में बल्कि हजारों साल पहले से और यह कहना गलत नहीं होगा कि इन्होंने हमें सामाजिक बनाने में मदद की है। हमारे प्राचीन महाकाव्य इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। इनकी मदद से हमें ब्रह्मांड का ज्ञान हासिल हुआ, हम क्या हैं, क्यों हैं जैसी बातों का उत्तर खोजने का सामर्थ्य दिया। हमारे अंदर जितना भी ज्ञान है, ज्यादातर वो हमें पुस्तक में लिखी जानकारियों से प्राप्त हुआ है। हमें प्राप्त ज्ञान हम आगे आने वाली पीढ़ियों तक अपने अनुभव के रूप में बढ़ाते रहे। पुस्तकें जीवन का आधार होती हैं और खासकर जो व्यक्ति पुस्तक प्रेमी होते हैं उनकी पूरी दुनिया किताबों की कहानियों, ज्ञान, रोचक बातों, कविताओं के इर्द-गिर्द घूमती हैं। पुस्तकें न सिर्फ ज्ञान संबंधी जानकारी देती हैं बल्कि ये कई तरह के मनोरंजन का साधन भी बनती हैं। जैसे रोमांचक कहानियां, चुटकुलें, कविताएं आदि का भी लोग आनंद लेते हैं। बच्चों से लेकर बड़ों तक हर किसी के जीवन में पुस्तक का अपना अलग-अलग योगदान है।

पुस्तक को ज्ञान का भंडार माना जाता है। पुस्तकों का इतिहास तब से है जब मानव ने लिपि का विकास किया। पुस्तकों से इतिहास की जानकारी मिलती है। किताब पढ़ने से हमें अपने जीवन के उद्देश्य को समझने में आसानी होती है। पुस्तकें छात्रों की सबसे अच्छी मित्र होती हैं। इनकी मदद से हम नए तरह के कौशल सीखते हैं। ये हमें जीवन को नए नजरिए से देखना सिखाती हैं। किताबों की मदद से महापुरुषों की जीवनी पढ़ कर युवा प्रेरित होते

हैं। रोज किताब पढ़ने से बुद्धि तेज होती है। किताबें ज्ञान के साथ मनोरंजन का भी साधन हैं।

-जी. तारक,

कक्षा पांचवी

19.गणतंत्र दिवस

गणतंत्र दिवस भारत में सबसे जोश और उत्साह से मनाए जाने वाले राष्ट्रीय त्योहारों में से एक है, जिसे हर साल 26 जनवरी को मनाया जाता है। इसी साल 1950 भारत ने अपने खुद के बनाए संविधान को अपनाया था, जिसके बाद हमारा देश एक संप्रभु और लोकतांत्रिक गणराज्य बन गया। यह दिन हमें समानता, न्याय और स्वतंत्रत भारत के मूल्यों के प्रति जागरुक भी करता है जो हमारे संविधान की भी नींव हैं। यह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने और उनका सम्मान करने का समय है जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़कर देश को आजादी दिलाई ताकि हम अपना खुद का संविधान लागू कर सकें।

15 अगस्त, 1947 को देश की आजादी के बाद देश को अपनी शासन व्यवस्था खुद संभालने के लिए एक मज़बूत कानूनी ढांचे की जरूरत थी। संविधान का मसौदा तैयार करने की शुरुआत डॉ. बी. आर. अंबेडकर की ओर से 26 नवंबर 1949 को हुई और यह 26 जनवरी, 1950 को असर में आया। यह डेट भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से साल 1930 में 26 जनवरी को ही पूर्ण स्वराज घोषणा का सम्मान करने के लिए चुनी गई थी।

गणतंत्र दिवस का सबसे भव्य समारोह नई दिल्ली के कर्त्तव्य पथ परेड के रूप में होता है। यहां भारत के राष्ट्रपति के साथ विदेश के कोई राष्ट्रप्रमुख कार्यक्रम के अतिथि के रूप में मौजूद होते हैं जो राष्ट्रीय ध्वज फहराते हैं। गणतंत्र दिवस परेड में सैन्य शक्ति, सांस्कृतिक विविधता और कई क्षेत्रों में उपलब्धियों का शानदार प्रदर्शन किया जाता है। कई राज्यों की झाकियाँ अपनी अनूठी परंपराओं और विरासत को प्रदर्शित करती हैं। कार्यक्रम का समापन भारतीय वायु सेना के आसमान में फ्लाईपास्ट के साथ होता है, जिसे देखकर सब आश्चर्यचकित होते हैं।

देश भर में स्कूल और कॉलेज झंडा फहराने, देशभक्ति भाषण, सांस्कृतिक प्रदर्शन और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं के साथ गणतंत्र दिवस मनाते हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य युवा पीढ़ी को इस दिन के महत्व के बारे में शिक्षा देना है। साथ ही उन्हें देश की प्रगति में योगदान के लिए प्रेरित करना है|

गणतंत्र दिवस हर भारतीय के लिए बहुत गर्व का दिन है। यह हमें अपने इतिहास को याद रखने, अपनी स्वतंत्रता को संजोने और संविधान के आदर्शों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करता है। गणतंत्र दिवस केवल कोई उत्सव नहीं बल्कि एक लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में भारत की यात्रा को दिखाता है। यह हमारे स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए बलिदानों और हमारे संविधान को बनाने वाले नेताओं के दृष्टिकोण की याद दिलाता है।

-डी. अरुष,

कक्षा पांचवी

20.मेरा शहर

कंदुकुर या कंदुकुरु भारतीय राज्य आंध्र प्रदेश के एसपीएसआर नेल्लोर जिले में एक शहर है । यह एक नगर पालिका है और कंदुकुर मंडल के साथ-साथ कंदुकुर राजस्व प्रभाग का मुख्यालय भी है । कंदुकुर का भौगोलिक क्षेत्रफल लगभग 225 वर्ग किमी है। कंदुकुर मंडल में केवल एक शहर है, जो कंदुकुर नगर पालिका है जिसका क्षेत्रफल 37.63 वर्ग किमी है । कंदुकुर की एक मजबूत ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है और यह राजा श्री कृष्ण देवराय के शासन में आया था। अंकम्मा तल्ली देवालयम कंदुकुर में सबसे प्रसिद्ध धार्मिक आकर्षण है और शहर के अन्य ऐतिहासिक हिंदू मंदिरों में अयप्पा स्वामी मंदिर और शिरडी साईंबाबा मंदिर शामिल हैं। कंदुकुर पहले स्कंदपुरी के नाम से जाना जाता था |

कंदुकुर भारत के पूर्वी तट से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित है, इसलिए यहाँ समुद्री मौसम है इसलिए अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच अंतर अधिक नहीं है। पिछले 10 वर्षों (2008-2018) में, न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। यह देखा गया है कि मार्च, अप्रैल और मई साल के सबसे गर्म महीने होते हैं और नवंबर, दिसंबर और जनवरी सबसे ठंडे महीने होते हैं।

कंदुकुर का निकटतम रेलवे स्टेशन सिंगरायकोंडा है सिंगरायकोंडा 15 किमी दूर है। इस रेलवे स्टेशन को दक्षिण मध्य रेलवे क्षेत्र के विजयवाड़ा रेलवे डिवीजन में बी-श्रेणी स्टेशन के रूप में वर्गीकृत किया गया है। सिंगरायकोंडा सड़क मार्ग से भी जुड़ा हुआ है। दूसरा निकटतम रेलवे स्टेशन है – ओंगोल। कंदुकुर से ओंगोल लगभग 45 किमी दूर है।

विजयवाड़ा हवाई अड्डा कंदुकुर का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो लगभग 210 किमी दूर है। अन्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे हैदराबाद, तिरुपति और चेन्नई हैं। इन सभी हवाई अड्डों की दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बैंगलोर और अन्य अंतरराष्ट्रीय शहरों जैसे प्रमुख भारतीय

शहरों से अच्छी कनेक्टिविटी है। ओंगोल में एक ग्रीन फील्ड डोमेस्टिक एयरपोर्ट का प्रस्ताव है, जो कंदुकुर से लगभग 45 किमी दूर है।

-एन. आश्रिता,

कक्षा पांचवी

21.मेरा प्रिय त्योहार

भारत त्योहारों का देश है, यहां कई प्रकार के त्योहार पूरे साल ही आते रहते हैं लेकिन दीपावली सबसे बड़े त्योहारों में से एक है। यह त्योहार पांच दिनों तक चलने वाला सबसे बड़ा पर्व होता है। इस त्योहार का बच्चों और बड़ों को पूरे साल इंतजार रहता है। कई दिनों पहले से ही इस उत्सव को मनाने की तैयारियां शुरू हो जाती है।

इस दिन भगवान श्रीराम, माता सीता और भ्राता लक्ष्मण चौदह वर्ष का वनवास पूरा करके अपने घर अयोध्या लौटे थे। इतने सालों बाद घर लौटने की खुशी में सभी अयोध्या वासियों ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया था। तभी से दीपों का त्योहार दीपावली मनाया जाने लगा।

यह त्योहार कार्तिक मास की अमावस्या के दिन मनाया जाता है। अमावस्या की अंधेरी रात जगमग असंख्य दीपों से जगमगाने लगती है। यह त्योहार लगभग सभी धर्म के लोग मनाते हैं। इस त्योहार के आने के कई दिन पहले से ही घरों की लिपाई-पुताई, सजावट प्रारंभ हो जाती है। इन दिन पहनने के लिए नए कपड़े बनवाए जाते हैं. मिठाइयां बनाई जाती हैं। इस दिन देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है इसलिए उनके आगमन और स्वागत के लिए घरों को सजाया जाता है।

यह त्योहार पांच दिनों तक मनाया जाता है। धनतेरस से भाई दूज तक यह त्योहार चलता है। धनतेरस के दिन व्यापारी अपने नए बहीखाते बनाते हैं। अगले दिन नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पूर्व स्नान करना अच्छा माना जाता है। अमावस्या यानी कि दिवाली का मुख्य दिन, इस दिन लक्ष्मीजी की पूजा की जाती है। खील-बताशे का प्रसाद चढ़ाया जाता है। नए कपड़े पहने जाते हैं। फुलझड़ी, पटाखे छोड़े जाते हैं। दुकानों, बाजारों और घरों की सजावट दर्शनीय रहती है। अगला दिन परस्पर भेंट का दिन होता है। एक-दूसरे के गले लगकर दीपावली की शुभकामनाएं दी जाती हैं। लोग छोटे-बड़े, अमीर-गरीब का भेद भूलकर आपस में मिल-जुलकर यह त्योहार मनाते हैं।

दीपावली का त्योहार सभी के जीवन को खुशी प्रदान करता है। नया जीवन जीने का उत्साह प्रदान करता है। कुछ लोग इस दिन जुआ खेलते हैं, जो घर व समाज के लिए बड़ी बुरी बात है। हमें इस बुराई से बचना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि हमारे किसी भी कार्य एवं व्यवहार से किसी को भी दुख न पहुंचे, तभी दीपावली का त्योहार मनाना सार्थक होगा। पटाखे सावधानीपूर्वक छोड़ने चाहिए, ताकि किसी भी तरह की अनहोनी से बचा जा सके।

-जी. मनुश्री,

कक्षा पांचवी

22.दोस्ती पर निबंध

परिचय

व्यक्ति को प्रत्येक रिश्ता अपने जन्म से ही प्राप्त होता है, अन्य शब्दों में कहें तो ईश्वर पहले से बना के देता है, पर दोस्ती ही एक ऐसा रिश्ता है जिसका चुनाव व्यक्ति स्वयं करता है। सच्ची मित्रता रंग-रूप नहीं देखती, जात-पात नहीं देखती, ऊँच-नीच, अमीरी-गरीबी तथा इसी प्रकार के किसी भी भेद-भाव का खंडन करती है। आमतौर पर यह समझा जाता है, मित्रता हम-उम्र के मध्य होती है पर यह गलत है मित्रता किसी भी उम्र में और किसी के साथ भी हो सकती है।

दोस्ती का महत्व

व्यक्ति के जन्म के बाद से वह अपनों के मध्य रहता हैं, खेलता हैं, उनसें सीखता हैं पर हर बात व्यक्ति हर किसी से साझा नहीं कर सकता। व्यक्ति का सच्चा मित्र ही उसके प्रत्येक राज़ को जानता है। पुस्तक ज्ञान की कुंजी है, तो एक सच्चा मित्र पूरा पुस्तकालय, जो हमें समय-समय पर जीवन के कठिनाईयों से लड़ने में सहायता प्रदान करते है। व्यक्ति के व्यक्तित्व के निर्माण में दोस्तों की मुख्य भूमिका होती है। ऐसा कहा जाता है कि व्यक्ति स्वयं जैसा होता है वह अपने जीवन में दोस्त भी वैसा ही चुनता है। और व्यक्ति से कुछ गलत होता है तो समाज उसके दोस्तों को भी समान रूप से उस गलती का भागीदार समझते हैं।

जहां लोग आपसे बात भी अपने स्वार्थ सिद्धि के मनोकामना से करते हैं ऐसे में सच्ची मित्रता भी बहुत कम लोगों को प्राप्त हो पाती है। प्राचीन समय से ही लोग अपनी इच्छाओं व अकांक्षाओं की पूर्ति के लिए दोस्ती करते हैं तथा अपना कार्य हो जाने पर अपने जीवन में व्यस्त हो जाते हैं। इसलिए व्यक्ति को दोस्ती का हाथ हमेशा सोच समझ कर अन्य की ओर बढ़ाना चाहिए।

निष्कर्ष

व्यक्ति के व्यक्तित्व का दर्पण उसके द्वारा बनाए गए मित्र होते हैं, व्यक्ति को सदैव अपने मित्रों का चुनाव सोच-समझ कर करना चाहिए। जीवन में “सच्ची मित्रता” तथा “मतलब की मित्रता” में भेद कर पाना असल में एक चुनौती है तथा व्यक्ति को व्यक्ति की परख कर मित्रों का चुनाव करना चाहिए।

- जी. अक्षिता,

कक्षा पांचवी

23.समय का महत्व

“समय की अहमियत को समझो, यह जीवन का है आधार,
सही उपयोग कर लो इसका, यही है जीवन का सार।”
“समय का पहिया चलता रहे, कभी न रुके इसका चक्र,
जो समय की कद्र करे, वही बनता है सिकंदर।”
“वक्त का सही मोल जानो, यह देता है सबको सबक,
समय की कद्र कर लो तुम, यही है सबसे बड़ा हक।”
“समय की रफ्तार को पहचानो, यह न आए वापस कभी,
जो समय का मोल समझे, वही बनेगा जिंदगी में धनी।”
“समय की बर्बादी न करो, यह अनमोल खजाना है,
सही समय पर किया गया काम ही असली बहाना है।”
“समय के साथ चलो, यह है जीवन की रीत,
सही समय पर किया गया काम ही है सबसे बड़ी जीत।”

-जी. राम्या श्री,

कक्षा पांचवी

24.प्रकृति

हरी घास पर ओस की बूंदें,
सूरज की पहली किरणों से धुले,
पत्तों पर फिसलती नन्हीं सी मुस्कान,
जैसे हो प्रकृति की नई पहचान।

नीले आसमान में उड़ते पंछी,
हवा के संग झूमते वनस्पति,
नदियों की कलकल, पर्वत की चोटी,
हर ओर बिखरी है सौंदर्य की ज्योति।

सागर की लहरें गीत सुनाती,
धरती को प्रेम से लोरी सुनाती,
बादल भी मिलकर चित्र बनाते,
धरा को आसमां से गले लगाते।

चंद्रमा की चांदनी शीतल,
तारों के संग उसकी झिलमिल,
प्रकृति के हर रंग में बसी है,
जीवन की अनकही, प्यारी कहानी।

जब कभी उदास हो मन तेरा,
आँखें बंद कर, महसूस कर धरा,
प्रकृति के आलिंगन में पाएगा,
शांति और प्रेम का सच्चा किनारा।

-जे. अपूर्व ऋषिका,
कक्षा पांचवी

25.मेहनत का फल

कड़ी मेहनत का फल अवश्य मिलेगा। इतिहास गवाह है कि कड़ी मेहनत हमारे जीवन का एक आवश्यक अंग है। बिना मेहनत के जीवन में सफलता नहीं मिलती। एक अनुत्पादक व्यक्ति जो हमेशा आराम करता हुआ दिखाई देता है, वह कभी सफल नहीं हो सकता। बहुत अधिक प्रयास किए बिना सफलता प्राप्त करना असंभव है। लोग हमेशा शॉर्टकट की तलाश में रहते हैं, लेकिन जीवन में ऐसा कोई शॉर्टकट नहीं है। सब कुछ आपकी कड़ी मेहनत करने की क्षमता और समस्याओं से निपटने के तरीके पर निर्भर करता है। अपने लक्ष्यों तक पहुँचने के लिए, आपको कड़ी मेहनत करनी चाहिए, दृढ़ निश्चयी होना चाहिए और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। एक आदमी स्टील की तरह होता है; अगर इसका उपयोग किया जाता है, तो यह चमकता है; अगर इसका उपयोग नहीं किया जाता है, तो यह जंग खा जाता है। अगर आपने वास्तव में कड़ी मेहनत की है, तो यह निश्चित रूप से फल देगा, और आप निस्संदेह अपनी सफलता का आनंद लेंगे; हालाँकि, अगर आप अपने सपनों को जीते हैं, तो आप केवल सपने ही देखते रह जाएँगे। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आपको अपने काम के प्रति दृढ़ निश्चयी और समर्पित होना चाहिए। अगर आप पढ़ रहे हैं, तो आपको अपने शिक्षाविदों के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए और उच्च ग्रेड प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए; अगर आप काम कर रहे हैं, तो आपको अपनी नौकरी के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए। इतिहास गवाह है कि कड़ी मेहनत का फल अंत में मिलता है। हम सभी ने सफल लोगों द्वारा जीवन को बेहतर बनाने के लिए किए गए प्रयासों के बारे में सुना है। इसका एक आदर्श उदाहरण भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम हैं। वे बचपन में अखबार बेचने के लिए जाने जाते थे। आज वे क्या हैं, यह देखिए। उन्हें भारत का मिसाइल मैन कहा जाता है। उनके जैसे कई लोग इस बात के जीवंत उदाहरण बन गए हैं कि कैसे सबसे खराब परिस्थितियाँ भी आपको सबसे अच्छी परिस्थितियों की ओर ले जा सकती हैं।

- वि. लक्ष्मी सरन्या,

कक्षा पांचवी

संस्कृत

1.पर्यावरणम् आलेखम्

अस्मान् परितः यानि पञ्चमहाभूतानि सन्ति तेषां समवायः एव परिसरः अथवा पर्यावरणम् इति पदेन व्यह्वीयते । इत्युक्ते मनुष्यो यत्र निवसति, यत् खादति, यत् वस्त्रं धारयति, यज्जलं पिबति यस्य पवनस्य सेवनं करोति तत्सर्वं पर्यावरणम् इति शब्दे अभिधीयते ।

अधुना पर्यावरणस्य समस्या न केवलं भारतस्य अपितु समस्तविश्वस्य समस्या वर्तते । यज्जलं यश्च वायुः अद्य उपलभ्यते तत्सर्वं मलिनं दूषितं च दृश्यते ।

श्रवन्ती

कक्षा- नवमी

2.प्रकृति चित्रणम्

अद्य अहं प्रातः पञ्चवादने जागृत्य उत्तमं भ्रमणार्थं बहिः आगतवती । अहं हिमं दृष्टवती यः श्वेतवर्णः किञ्चित्कालानन्तरं जलं भवति । तत्र शीतल वायुः आसीत् तथा द्विहोरायाः अनन्तरं सूर्यः उत्तमहरितवर्णपत्रेभ्यः उदयं प्रारभत् यत् मम कृते अस्मिन् दिने उत्तमः अनुभवः आसीत् ।

उदिते सूर्ये धरणी विहसति ।

पक्षी कूजति कमलं विकसति ।।

नदति मन्दिरे उच्चैर्ढक्का ।

सरितः सलिले सेलति नौका ।।

पुष्पे पुष्पे नानारङ्गाः ।

तेषु डयन्ते चित्रपतङ्गाः ।।

वृक्षे वृक्षे नूतनपत्रम् ।

विविधैः एव विभाति चित्रम् ।।

एस. स्वप्ना

कक्षा- सप्तमी

3महाकवि कालिदासः

संस्कृत जगतिषु कविषु महाकवि कालिदासः सर्वश्रेष्ठः कविः आसीत् । कालिदासः प्रकृतेः उपासकः आसीत् । महाकवेः प्रशंसायां किञ्चित् श्लोकानि –

शिलष्टा क्रिया कस्यचिदात्मसंस्था
संक्रान्तिरन्यस्य विशेषयुक्ता ।।
यस्योभयं साधु स शिक्षकाणाम्
धुरि प्रतिष्ठापयितव्य एव ।।

पुरा कवीनां गणना प्रसङ्गे
कनिष्ठिकाधिष्ठितकालिदासः ।
अद्यापि तत्तुल्यकवेरभावात्
अनामिका सार्थवती बभूव ।।

के. नित्यासांई लक्ष्मी
कक्षा- नवमी

4.जलम् एव जीवनम्

जलम् एव जीवनम् इति उक्त्यनुसारम् अस्माकं जीवने जलस्य आवश्यकता वर्तते । जीवनाय जलम् आवश्यकं वर्तते । तृष्णायां सत्यां जलेन एव निवारणं भवति । पृथिव्याः जीवानां कृते आवश्यकं तत्त्वम् अस्ति जलम् । अस्माकं सौभाग्यम् अस्ति यत् पृथिवी जलीयः ग्रहः वर्तते ।जलं सौरमण्डले दुर्लभं वर्तते । अन्यत्र कुत्रापि जलं नास्ति । पृथिव्यां जलं पर्याप्तम् अस्ति । अतःपृथिवी नीलग्रहः इति उच्यते । जलं निरन्तरं स्वरूपं परिवर्तते । सूर्यस्य तापेन वाष्पस्वरूपं , शीतले सति सङ्घनीकरणे मेघस्वरूपं, वर्षामाध्यमेन जलस्वरूपं धरति । जलं महासागरेषु, वायुमण्डले पृथिव्यां च परिभ्रमति । जलस्य परिभ्रमणं जलचक्रं कथ्यते ।

प्रजय

कक्षा- सप्तमी

5.संस्कृत पितामह पाणिनि

पाणिनिः संस्कृतभाषायाः महान् वैयाकरणः । तेन लिखितः अष्टाध्यायीनामकः व्याकरणग्रन्थः विश्वप्रसिद्धः वर्तते । पाणिनिः वैयाकनणानां प्रातः स्मरणीयः मुनिः न केवलं वैयाकरणानाम् अपितु निखिलसंस्कृतविपश्चिताम् एषः प्रातर्वन्दनीयः इत्यत्र न कोऽपि न संशयः । पाणिनेः तपसा सन्तुष्टः शिवः ताण्डवनृत्यम् अकरोत् , नृत्तान्ते चतुर्दशवारम् ढक्काम् अवादयत् ।

नृत्तावसाने नटराजराजो ननाद ढक्कां नवपञ्चवारम् ।
उद्धर्तुकामान्सनकादिसिद्धानेतद्विमर्शे शिवसूत्रजालम् ।।

तस्याः ढक्कायां ध्वनिं श्रुत्वा पाणिनेः एतानि माहेश्वरसूत्राणि अरचयत-

1- अइउण् 2- ऋलृक् 3-एओङ् 4- ऐऔच्

5-हयवरट् 6- लण् 7- ञमङणनम्

8- झभञ् 9- घढधष् 10- जबगडदश्

11- खफछठथचटतव् 12- कपय् 13- शषसर् 14- हल्

शान्तिप्रिया

कक्षा- नवमी

6.व्यायामस्य महत्तवम्

भ्रमण-धावन- क्रीडनादिभिः शरीरम् श्रान्तकरणम् व्यायामः नित्यं करणीयः भवति । अस्य नित्यानुष्ठानेन गात्राणि पुष्ठानि भवन्ति ।शरीरे द्रुतं रक्तसञ्चारः भवति । व्यायामः शारीरिकः क्रियाकलापः यः योजनाकृतसंरचितः पुनरावर्तनीयः च भवति । इदं भवतः स्वास्थ्यं, फिटनेसं च सुधारयितुं सहाय्यं कर्तुं शकनोति । स्वस्थं मनः स्वस्थशरीरे निवसति इति कथनम् अस्ति । मानवजीवने व्यायामस्य महत्तवम् अस्ति । यावत् पर्यन्तं वयं सवस्थाः न भवामः तावत् पर्यंन्तं वयं किमपि कार्यं सम्यक् कर्तुं न शक्नुमः ।

व्यायामः मानवजीवने अतीव महत्तवपूर्णः अस्ति ।

यतोहि- शुभं इच्छन्तु निज स्वास्थ्यं । करोतु नित्यं व्यायामम् ।।

स्नेहा लता

कक्षा- सप्तमी

ENGLISH

1.My School Library

School libraries play a very vital role in education system and are an essential part of school setup.

My school library is a well set-up library. It is a very big library on the first floor of the school that consists of several bookstands and cabinets. Books are precisely arranged in alphabetical order in these bookstands and cabinets. It has a wide range of books on diverse subjects, story books, comic books, biographies and magazines. At the entrance there is the librarian's desk. There are rows of tables and chairs in the center of the library for students to sit. Another section is the reference section of the library house for teachers.

All the students visit library as per their classroom visit schedule. Library cards are to be carried to visit library. Our librarian is very helpful in locating and selecting books as per our needs. We are allowed to borrow one book at a time and the records for the same are maintained by the librarian. We need to ensure that the books are not damaged by us and are returned on time.

Library is the best place to read without any disturbance. I love reading and writing so visiting the library for me is really very exciting. I can spend my entire day in the library.

-P V S S AARADHYA

CLASS V/A

2.Soft Or Rough

There is time to do your things,
If you try them well enough;
From what under thoughts springs,
Is sometimes soft or rough.
Give your ways to new ideas,
For all of them have their targets;
Life is up full of its 'gallerias',
To work out with what it gets.
Remember today to do something,
And tomorrow will come in easy;
There are no things worth nothing,
If thoughts are flowing and breezy...

P JAHNAVI
PRT

3.AUSPICIOUS MAHA KUMBH MELA

The Maha Kumbh Mela is a religious festival that takes place every 12 years in India. It is a spiritual journey that brings together millions of people from all over the country. The 2025 Maha Kumbh Mela will be held in Prayagraj, Uttar Pradesh from January 13 to February 26.

Significance:

The Maha Kumbh Mela is a symbol of national unity and India's cultural heritage. It is a rare and spiritually significant event. It is a time for inner reflection and a deeper connection with the divine. It is a time for purification, enlightenment, and communal harmony.

Features:

The Maha Kumbh Mela is a festival that includes a variety of rituals and ceremonies. It includes the traditional procession of Akharas called "Peshwai". It includes the rituals of Naga Sadhus during "Shahi Snaan". It includes fasting, charity, and communal prayers.

History:

The Maha Kumbh Mela originated from the Puranas, which describe gods and demons battling for the sacred pitcher of Amrit. The Kumbh Mela has been held for many years, with its commencement date unknown.

The Kumbh Mela has been recognized by UNESCO as an intangible cultural heritage of humanity.

-TONDAPU SUSANTH

CLASS V/A.

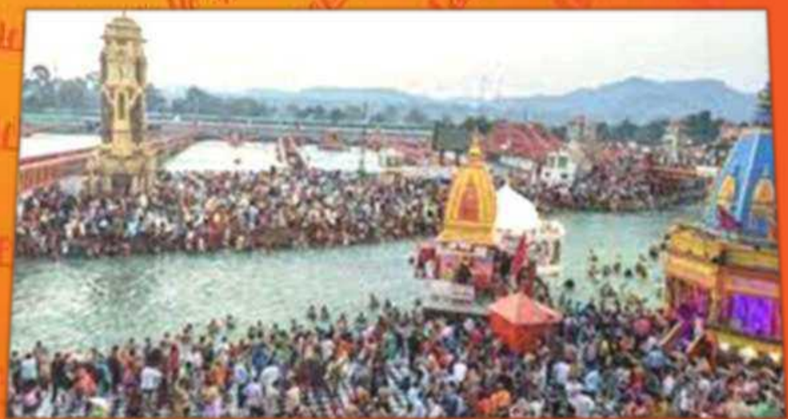

4.To My Super Dad

Dad, you're very special
you mean so much to me
There aren't many Dads like you
who give so selflessly

When life has turned my world
completely inside out
You're always there to lean on
I know without a doubt

Whenever things go wrong
and I don't understand
I know that you will be there
to lend a helping hand

The years have brought a touch of gray...
...some lines upon your face
But to me there's not another Dad
who could ever take your place

-ENOSH JAI,
CLASS IV/A

5.A MOTHER'S LOVE

There's no love like a mother's,
Her heart is filled with care.
With Christ as her example,
Her Savior's love she'll share.

A mother's love is endless,
Not changing for all time.
When needed by her children,
A mother's love will shine.

God bless these special mothers,
God bless them every one.
For all their tears and heartaches,
And special work they've done.

When days on earth are over,
A mother's love lives on,
Through many generations,
God's blessings on each one.

Be thankful for our mothers,
Who love with higher love,
From power God has given,
And strength from up above.

-SHAIK SUHANA,
CLASS IV/A

6.Nature

I am a human,
I'm tired from cities,
I am going to nature,
to find peace.

Long and Shady trees,
and that cool Breeze,
made me relax and calm,
and found tree of palm.

The plain ground,
with flora and fauna,
and silence all over the area,
made me feel peace.

The clouds were as light as air,
And blew with the wind,
And the sun set,
Was the day's end

-TATIKONDA PADMASRI
CLASS III/A

7.SHINCHAN

1. I watch lots of cartoon shows and I like all of them. But, my favourite cartoon character is Shinchan.
2. Shinchan Nohara is a five-year-old kid from Japan. He is very mischievous.
3. He goes to Fatuba kindergarten school.
4. He troubles his friends, family, neighbors and teachers by singing silly songs.
5. He has an extremely funny personality and even funnier voice.
6. He has a nice family including his father Hiroshi Nohara, mother Misae Nohara, sister Himahari Nohara, dog Shiro, and grandparents.
7. Kazama, Masao, Nani and Bochan are his closest friends. Shinchan is the most impish of them all.
8. Shinchan is fond of eating chocolates and watching Action Kamen, his favourite cartoon.
9. The thing that I love the most about the cartoon character Shinchan is that he loves what he does and he is full of optimism.
10. The show Shinchan is really fun and all my family members watch it along with me.

- Misbah Tabassum
Class 2A

8.Water, Water, Everywhere

Water, water, everywhere,
To wash my hands and wash my legs.
It's nice to drink it by the pool,
Slurp it, sip it, nice and cool.

It comes from clouds don't you know
Falls as rain and also snow.
Keep it clean or you will be Sick as sick,
as sick as can be!
We are lucky here at school,
To have clean water to keep use
We drink water every day.
In the pool we like to play.

-CHIMALAMARRI SAHIL
CLASS III/A

9.KABADDI

Kabaddi is a game that first originated in the southern part of India, where players exhibited their strength, but now, it is widely played across the country. We will see the benefits of playing Kabaddi in this essay on Kabaddi game in English.

Since Kabaddi is mainly a game that requires a lot of physical effort and energy, playing this game will help children to be fit and healthy. They will also learn about endurance and defences from breath holding and movement. Apart from these, playing Kabaddi improves their focus, and children tend to pay attention to even the tiniest details. This will be highly beneficial for them during their studies.

In addition, children will be able to enhance their traits like agility and build teamwork skills, along with overcoming fear, boosting confidence and developing a sportsperson's spirit.

-

- SHREYAN FRANCIS
CLASS IV/A

10.CHANDRAYAAN-3

Chandrayaan-3 is the third mission in the Chandrayaan programme, a series of lunar exploration missions developed by the Indian Space Research Organization (ISRO). Chandrayaan-3 successfully soft landed on the Moon's surface on August 23rd, 2023. To mark the successful landing of Chandryaana 3, National space day will be celebrated each year on August 23rd. After Chandrayaan-1 and Chandrayaan-2, Chandrayaan 3 seeks to demonstrate India's technological prowess in advanced lunar exploration. Equipped with advanced instruments, Pragyaan rover conducted scientific studies, analyzed lunar soil, and gathered crucial data for research. The rover was put in sleep mode on September 2nd, 2023. Chandrayaan-3 is a testament to India's commitment to space exploration and greater understanding of the Moon's mysteries.

- GOPI REDDY SAANVI REDDY,
CLASS III/A.

11.IMPORTANCE OF SCHOOL

School is a very important aspect of life, but many think of it as an exhaustion though it helps us with learn structures of life as teachers help students learn and develop their mental and physical skills by making them do curricular and extracurricular activities and it helps them to learn about how to make friends and build relations and it exposes them to the world of scientific and virtual knowledge by subjects and theory and this type of knowledge helps in discovery, inventions, where to invest, where to step back, predict, perform etc., and school helps us solve mysterious which were hidden with history and school helps us and prepares us to face the challenges of life with already preparing us ahead to get jobs, to give jobs etc. and school helps us to build a positive character and a positive atmosphere.

Sk. Tahaseen Zoya

CLASS VIII/A

12. GLOBAL WARMING

- Global warming can be defined as the rise in the surface temperature of the earth.
- The main reason behind global warming is the greenhouse effect.
- The depletion of green cover and the increase of gases like CO_2 in the atmosphere is leading to global warming.
- Climate change is caused due to global warming, among other factors.
- Climate change leads to situation like droughts and disturbances in monsoon patterns.
- The mindless use of natural resources is another reason for global warming.
- An increase in global temperature leads to melting glaciers, resulting in a rising sea level.
- Due to global warming temperature of the sea/water is also increasing, thus effecting marine life.
- We can prevent global warming by planting more trees and controlling the emissions of harmful gases into the atmosphere.
- We need to understand that every activity that harms nature supports global warming.

K V Sai Maheswar
Class VI/A

rawpixel

13.INDIAN CULTURE

Indian culture is the oldest and richest among the other cultures of the world. A country as diverse as India is symbolized by the plurality of its culture.

Clothing, Festivals, Language, Religions, Music, Dance, Architecture, Food and Art are all parts of Indian culture.

Indian culture is a melting pot of various customs and traditions, which have been passed down from generation to generation. That's why I like Indian culture.

Sk. Noman Nohid

Class – VII/A

14.MY LOVELY BROTHER

In every girl's life, there is a brother either he is blood related or non-blood related. For every brother, his sister is his first daughter.

And for every sister, her brother is her second father.

My brother is not only a brother, he is also my best friend also my supporter, my caretaker, my protector.

I just feel like I am safe and protected when I am with my brother. He also encourages me in every single thing. He is one of the best and favourite person in my life. He is the best gift that I have ever got.

My brother is strict, but not every time. He behaves like a monkey, but also matured. He says "Yes" every time to my decision, but also says "No" if the decision is harmful, wrong.

The best bond that a sister can ever get is her brother. He is the one that shows the endless love towards me, and the best thing is we never get separated.

Even though, we are non blood-related, he always treated me like his own sister.

"We are non-blooded but not by heart".

Akshaya

Class-VIII/A

15.THE IMPACT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY ON MODERN SOCIETY

Science and technology have been the driving forces behind human progress, shaping the way we live, work and interact with the world. From the simplest discoveries to the most complex innovations, these fields have revolutionized industries, improved healthcare and enhanced communication, making life more efficient and convenient. One of the most significant contributions of the [illegible]d technology is in the field of medicine. Social media platforms [illegible] eople across the globe. This also plays crucial role in addressing [illegible]ntal challenges. The exploration of science has been ground [illegible] king achievement of science and technology. The progress in this field is limitless, with continued research and innovation, we will witness more advancements.

Hameed Shukoor

Class – VIII/A

తెలుగు

ఫిష్ ఎగ్జిబిషన్ దగ్గర నా అనుభవం ..

నా పేరు బీ. షన్న్యు శ్రీతేజ్. మాది నెల్లూరు జిల్లా లోని కందుకురు, నేను కందుకూరు లోని కేంద్రియ విద్యాలయంలో ఇదవ తరగతి చదువుతున్నాను. నేను ఇందులో మా వూరిలో సందర్శించిన ఎగ్జిబిషన్ విశేషాలను మీతో పంచుకోబోతున్నాను.

నేను మా కుటుంబసభ్యులతో కలసి మా వూరిలో ఏర్పాటు చేసిన ఫిష్ ఎగ్జిబిషన్కు వెళ్ళాను. సాయంత్రం 6 గంటలకు ఎగ్జిబిషన్ లోపలకు వెళ్ళాము. అక్కడ రకరకాల రంగురంగుల చేపలను చూశాము. అక్కడ అన్ని చేపలను ఒకే చోట చూడడం చాలా ఆనందంగా ఉంది. ఆ చేపలను చూస్తూ మేము అంతా బాగా ఎంజాయ్ చేసాము.

ఎగ్జిబిషన్లో జెయింట్ వీల్,కొలంబస్, డ్రాగన్ రైలువంటి అద్భుతమైన రైడ్లను ఎక్కి ఉల్లాసంగా గడిపాము. అక్కడ అన్న పీచు మిఠాయి. మరియు పెద్ద అప్పడం చాలా బాగున్నాయి, మేమంతా ఇరిగి రాత్రి 9 గంటలకు ఇంటికి చేరుకున్నాము. మీరంతా కూడ ఈ ఫిష్ ఎగ్జిబిషన్ను సందర్శించాలని కోరుకుంటున్నాను.

బి. షన్న్యు శ్రీతేజ్

ఇదవ తరగతి,

కేంద్రియ విర్యాలయం కందుకూరు.

అమ్మ

వేల అక్షరాలు కోటి పుస్తకాలు
చెప్ప లేని ప్రేమ అమ్మే కదా !!

అంతం లేని సొంతం
పంతం లేని బంధం
స్వార్థం లేని రూపం అమ్మే కదా !!

ఎంత నిండుగా నీడ నిచ్చినా
ఎండ తప్పని చెట్టే అమ్మా
కంటి నిండుగా నీరే పొంగినా
రెప్ప ముయని చూపే అమ్మ
తానో స్వర్గం, తానో దుర్గం
అనితర సాధ్యం తన మర్గం

నా మొదటి ఉనికి అమ్మ
నా మొదటి స్పర్శ అమ్మ
నా మొదటి గురువు అమ్మ
నా తుది శ్వాస వరకు అమ్మకు రుణపడి వుంటాను.
అమ్మకు కోటి కృతజ్ఞతలు.
అమ్మ రుణం తీర్చుకునేందుకు నా చిన్న ప్రయత్నం 'కన్నీటితో కాళ్ళు కడగడం.

గుంపర్లపాటి . సాత్విక
మూడవ తరగతి
కేంద్రియ విర్యాలయం కందుకూరు.

అందమైన పల్లెటూరు

పల్లెటూరు అంటేనే ప్రకృతి తన సహజత్వాన్ని కోల్పోకుండా కృత్రిమత్వానికి దూరంగా ఉంటుంది. కాబట్టి పల్లెటూరి వాతావరణంలో మనిషి చుట్టూ అహ్లాదకరమైన స్థితి అలుముకుంటుంది.

భారతదేశంలో పల్లెటూళ్ళు పట్టుకొమ్మలు" అని ప్రసిద్ధి, ఎందుకంటే పల్లెటూళ్ళలో వ్యవసాయం సాగుతూ ఉంటూంది. వ్యవసాయ భూములకు దగ్గరగా పల్లెటూరు ఏర్పడి ఉంటుంది మన దేశంలో వ్యవసాయమే ప్రధాన రంగం.

సహజంగా తెల్లవారు జామున నిద్ర మేల్కొనాలంటే చాలా మంది అలారంపై ఆధారపడతారు కానీ పల్లెటూళ్ళల్లో కోడికూత ఊరి మొత్తాన్ని మేల్కొల్పుతుంది. పట్టణాలలో ఉండే కృత్రిమమైన అలారం, పల్లెటూళ్ళలో కోడి రూపంలో సహజంగా ఉంటుంది.

'ఈ విధంగా మనిషి నిత్యకృత్యాలు పట్టణాలలో కృత్రిమంగా ఉంటే పల్లెటూళ్ళులో సహజంగా ఉంటాయి'.

మన దేశంలో పల్లెటూరు అందంగా కనపడుతుంది.సూర్యోదయం పచ్చని పొల్లాల్లో నుండి పొడుచుకు వస్తుంది. భానుడి కిరణాలు వేడి పెరిగే కొద్ది చెట్లు చల్లదనం మనకు ఎంతో హాయిని అందిస్తాయి.

గ్రామంలో ఉండే చెరువులు, ఆ చెరువుల చుట్టూ ఉండే గట్టు, గట్టుపై ఉండే చెట్లు, ఇంకా పల్లెటూళ్ళల్లో ఉంటే ఇళ్ళు కూడా పూల మొక్కలతో కాయగూరల తో చక్కగా ఉంటుంది.భూమి, గాలి, నీరు, నిప్పు ఎంత సహజంగా ఉంటే, ప్రకృతి అంత ప్రశాతంగా ఉంటుంది. భూమిపై కొన్నాళ్ళు ఉండి వెళ్లిపోయే మనిషి ప్రకృతిపై చేసే మార్పులే మనిషికి భవిష్యత్తుగా మారతాయి.

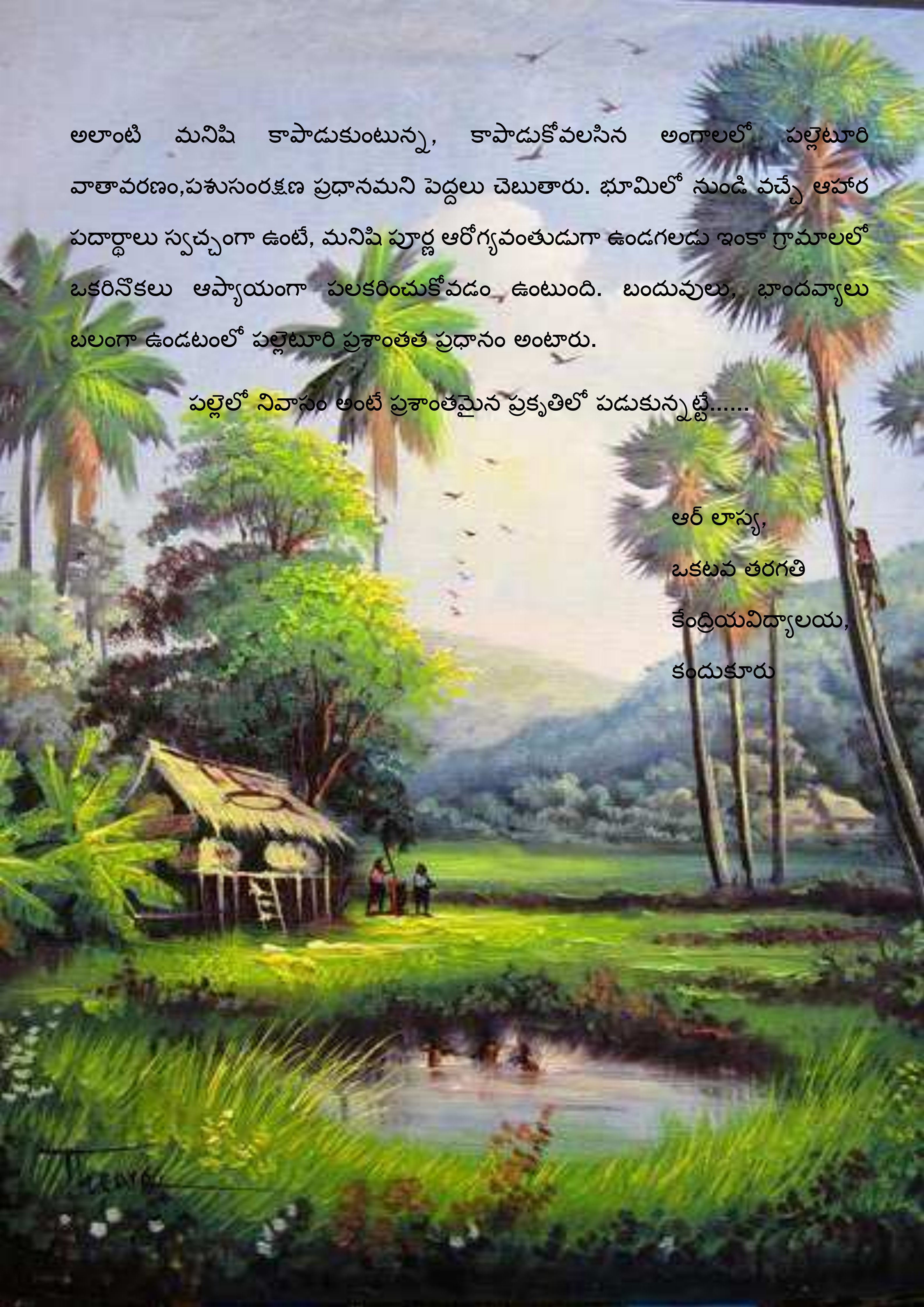

అలాంటి మనిషి కాపాడుకుంటున్న, కాపాడుకోవలసిన అంగాలలో పల్లెటూరి వాతావరణం,పశుసంరక్షణ ప్రధానమని పెద్దలు చెబుతారు. భూమిలో నుండి వచ్చే ఆహార పదార్థాలు స్వచ్ఛంగా ఉంటే, మనిషి పూర్ణ ఆరోగ్యవంతుడుగా ఉండగలడు ఇంకా గ్రామాలలో ఒకరినొకలు ఆప్యాయంగా పలకరించుకోవడం ఉంటుంది. బంధువులు, భాందవ్యాలు బలంగా ఉండటంలో పల్లెటూరి ప్రశాంతత ప్రధానం అంటారు.

పల్లెలో నివాసం అంటే ప్రశాంతమైన ప్రకృతిలో పడుకున్నట్టే......

ఆర్ లాస్య,

ఒకటవ తరగతి

కేంద్రియవిద్యాలయ,

కందుకూరు

ఉపాధ్యాయుడు

"గురు బ్రహ్మ, గురు విష్ణు గురుదేవో మహేశ్వరహ గురు సాక్షాత్ పరబ్రహ్మ తస్మై శ్రీగురవే నమ:"

సంస్కారాన్ని రంగరించి.. వ్యక్తిత్వాన్ని నిర్మించి... విద్యను బోధించి... విజ్ఞానాన్ని పెంపోందించి... సుశిక్షితులైన పౌరులను అందించి... దేశభక్తిని నిలువెల్లా నింపి... భారత దేశన్ని విశ్వగురు పీఠంపై పునఃప్రతిష్ఠించే గురుతర బాధ్యతను చేపట్టిన వారే... ఉపాధ్యాయులు...

నాలుగు ఆవులు

ఒక ఊరి చివర పచ్చని మైదానం లో నాలుగు ఆవులు ఎంతో సఖం గా స్నేహంగా ఉండేవి. కలిసి గడ్డి మేయటం, కలిసి తిరగడం చేసేవి. ఇవి ఎప్పుడూ కలిసి మెలిసి గుంపు గానే ఉండేవి కాబట్టి పులి, సింహాలు వీటి జోలికి రాలేకపోయేవి. కొంతకాలానికి ఎదో విషయంలో వాటి లో దెబ్బలాట జరిగి నాలుగు ఆవులు నాలుగు వైపులా వెళ్ళి విడిగా గడ్డి మెయ్యటానికి వెళ్లాయి. ఇదే సరైనా సమయమని పులి, సింహం పొదలో దాక్కుని, ఒకొక్కదాన్ని చంపేశాయి.

సత్రి:- ఐకమత్యమే బలం.

మాతృభాష

మాతృభాష తల్లితో సమానం. మనం తల్లిని ఎలా గౌరవిస్తామో -మన మాత్రు భాష ని కూడా అలాగే గౌరవించాలి... అది తెలుగు కావచ్చు, ఆంగ్లం కావచ్చు, హింది కావచ్చు. ఎవరి భాష వారికి అది గొప్పది.

తెలుగు భాష కి చాలా చరిత్ర ఉంది.తెలుగు భాష సంస్కృతం నుండి ఆశిర్భవించింది.అందులో ఎందరో కవులు, రచయితలు, గ్రంధ కర్తలు చాలా చాలా రచనలు చేశారు. పర భాషలను గౌరవించటమే తెలుగు బాష ,తెలుగు వారి గొప్పతనం. ప్రపంచపు తెలుగు మహాసభలు అమెరికాలోనూ, పశ్చిమ ఆసియా లోన ఆంధ్ర తెలంగాణ లోనూ ప్రతి సంవత్సరం జరుగుతాయి.

అమ్మా నాన్న

సర్వోత్తమ ప్రేమును సృష్టికి అందించిన మాళన్య రహిత మమకార మూర్తులై నిస్వార్ధ హృదయపు నిరంతర దీవెనలై జీవితం నేర్పిన పాఠాలను అనునిత్యం మనకి బోదించే ఆది గురువులై ఆలనా

పాలన... లాలిత్య లాలన ప్రేమ పూరిత దండన ప్రతీ సమయమున మన శ్రేయస్సునే కోరే ఆ - అమూల్య బాంధవ్య బావన... అనురాగ - శిఖరాన కొలువై ఉన్న 'అమ్మా నాన్న'

టి.పద్మశ్రీ

మూడవ తరగతి-

కేంద్రియవిద్యాలయ,కందుకూరు

అమ్మ ఒడి

ఇది మా బడి
ఇది . మా గుడి
ఇది మా అమ్మ ఒడి
ఓరిమితో నేరిమితో బతుకును దిద్దే అమ్మ ఒడి
మా మనసులకు వెలుగిస్తుంది
మా భవితకు నవతను తెస్తుంది
ఇది మా బడి
ఇది మా గుడి
ఇది మా అమ్మ ఒడి.

ఎన్.వి.ఎస్.గాత్విక
ఒకటవతరగతి
కేంద్రియ విద్యాలయం,కందుకూరు

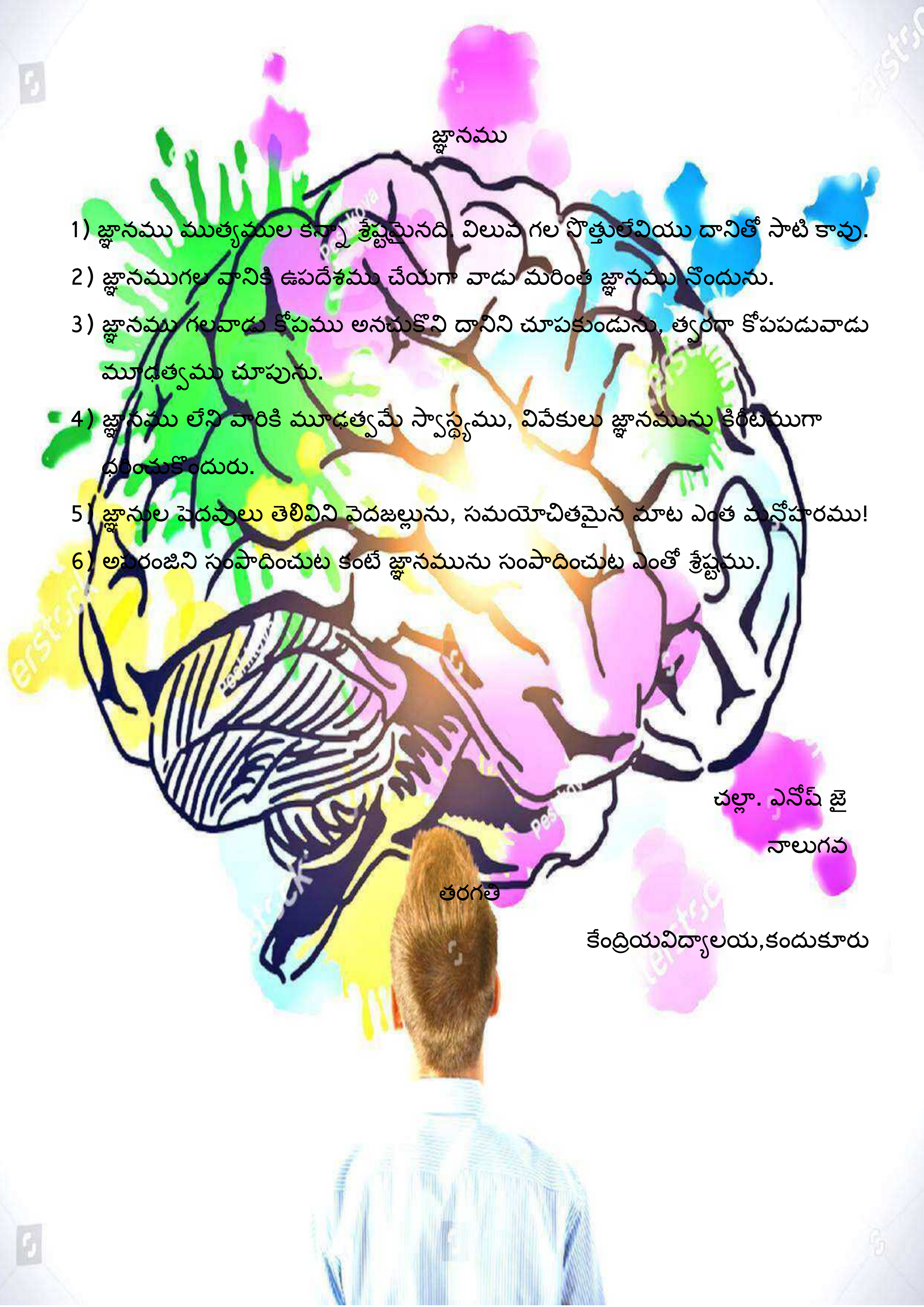

జ్ఞానము

1) జ్ఞానము ముత్యముల కన్నా శ్రేష్టమైనది. విలువ గల సొత్తులేవియు దానితో సాటి కావు.
2) జ్ఞానముగల వానికి ఉపదేశము చేయగా వాడు మరింత జ్ఞానము నొందును.
3) జ్ఞానము గలవాడు కోపము అనచుకొని దానిని చూపకుండును, త్వరగా కోపపడువాడు మూఢత్వము చూపును.
4) జ్ఞానము లేని వారికి మూఢత్వమే స్వాస్థ్యము, వివేకులు జ్ఞానమును కిరీటముగా ధరించుకొందురు.
5) జ్ఞానుల పెదవులు తెలివిని వెదజల్లును, సమయోచితమైన మాట ఎంత మనోహరము!
6) అపరంజిని సంపాదించుట కంటే జ్ఞానమును సంపాదించుట ఎంతో శ్రేష్టము.

చల్లా. ఎనోష్ జై

నాలుగవ

తరగతి

కేంద్రియవిద్యాలయ,కందుకూరు

స్నేహం

స్నేహాన్ని పువ్వుతో పోల్చకు - వాడిపోతుంది

మంచుతో పోల్చకు - కరిగిపోతుంది

ఆకుతో .పోల్చకు - రాలిపోతుంది

నీ నవ్వుతో పోల్చు - శాశ్వతంగా ఉండిపోతుంది.

ఎస్.స్వప్న

ఏడవ తరగతి

కేంద్రియవిద్యాలయ,కందుకూరు

చెట్లు మాట్లాడితే

ప్రియాతి ప్రియమైన నేస్తాల్లారా !

తల్లి కడుపున జన్మించిన చిన్నారి పాపకు
చల్లని జోల పుచ్చె ఉయ్యాలయ్యాను ;

బుడి బుడి అడుగులు వేసే బుజ్జిపాపకు
ఆడుకునే బంగారు బొమ్మల్నిచ్చాను ;

ఆకలి అన్న నా ప్రతిబిడ్డకు అమృతం లాంటి
నా హృదయంలోని ఫలాలను పంచాను ;

ఎండ, వాన ఇతరుల నుండి రక్షణ కల్పించే
రక్షణ కవచంలా మీ వెంట నిలిచాను ;

మీరు, మీ కుటుంబం భోగభాగ్యాలతో జీవించడానికి
నా శరీర భాగాలనే బహుమానంగా ఇచ్చాను ;

వృద్ధాప్యంలో అండగా ఉండాల్సిన మీ పిల్లలే
మీరు వ్యర్థమని భావించిన వేళ
మీకు ఆసరా అయ్యి నా ఒడిలో ఆశ్రయం ఇచ్చాను ;

మీ చితిలో సైతం ఒంటరిని చేయకుండా,
కాల్చే కట్టె రూపంలో మీ తోడుగా నీడగా వచ్చాను;

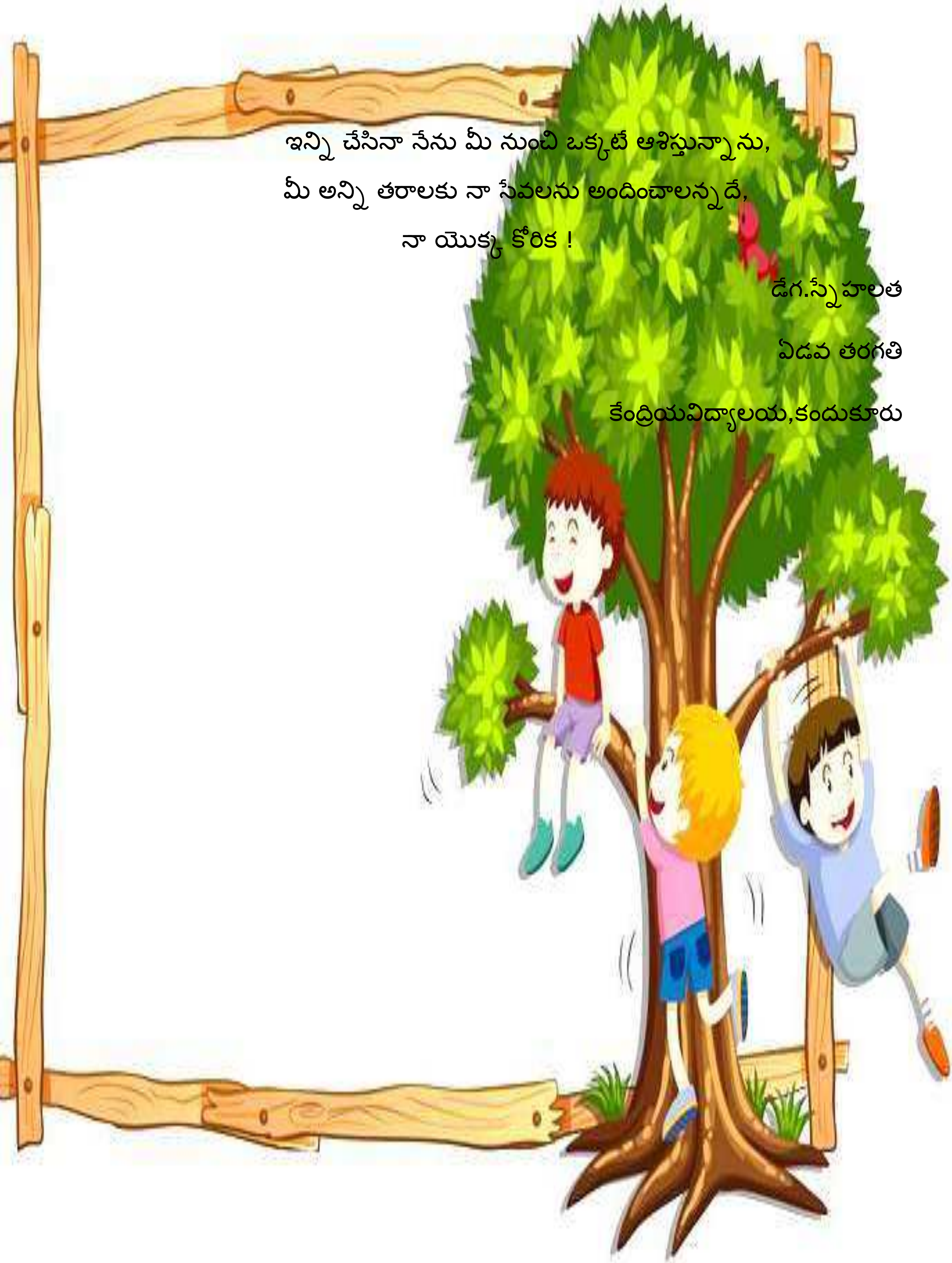

ఇన్ని చేసినా నేను మీ నుంచి ఒక్కటే ఆశిస్తున్నాను,

మీ అన్ని తరాలకు నా సేవలను అందించాలన్నదే,

నా యొక్క కోరిక !

డేగ.స్నేహలత

ఏడవ తరగతి

కేంద్రియవిద్యాలయ,కందుకూరు

(వెనుకడుగు వేయకు)

శివయ్యకు రాముడు, శేఖరుడు అని ఇద్దరు మేనల్లుళ్ళు వున్నారు. ఇద్దరూ బాగా చదువుకున్నోళ్ళే. డబ్బున్నోళ్ళే. దాంతో శివయ్య ఇద్దరినీ పిలిచి 'మీలో నాకు ఎవరు గొప్పవాళ్లు అని తెలుసు కోవాలని ఉంది అని అన్నాడు. దానికొరకు నేనొక పరీక్ష పెడతాను. అందులో గెలిచిన వాళ్లే గొప్పవాళ్లు అని అన్నాడు.

ఇద్దరూ 'సరే' అన్నారు.

ఆ కొండ చానా ఎత్తుగా వుంటాది. పైకి ఎక్కడానికి సరియైన దారి గూడా లేదు. అంతా ముళ్ళ పొదలు, నున్నని రాళ్ళు, అడుగడుగునా పాములూ, తేళ్ళతో నిండి వుంది. దాంతో శేఖరుడు "అమ్మో ఆ కొండనా... నావల్ల కాదు. ఇంకేదయినా పోటీ పెట్టు" అన్నాడు. కానీ రాముడు కొంచం కూడా వెనుకడుగు వేయకుండా " నేను ఏ పోటీకయినా సిద్ధమే. ఎప్పుడు పోటీ" అంటూ ముందుకు వచ్చినాడు.

"సరే... ఐతే నువ్వు ఒక్కనివే పోయి రాపో చూద్దాం" అన్నాడు శివయ్య. వెంటనే రాముడు సరేనని వురుక్కుంటా పోయి కొండ ఎక్కడం మొదలు పెట్టినాడు. అది చానా నున్నగా, జారుడుగా, ముళ్ళ పొదలతో వుంది గదా.... దాంతో కొంచం దూరం ఎక్కినాక పట్టు తప్పి కాలు జారి ఒకచోట కిందపడ్డాడు. ఒళ్ళంతా దెబ్బలు తగిలినాయి. అయినా సరే రాముడు కొంచం గూడా వెనుకడుగు వేయకుండా మళ్ళా ఎక్కడం మొదలుపెట్టినాడు.

అది చూసి శేఖరుడు "నేను ముందే చెప్పాగదా దాన్ని ఎక్కడం అంత సులభం కాదని. వానికి కొంచం గూడా తెలివి లేదు. అందుకనే ఒకసారి కిందపన్నా కొంచం గూడా ఆలోచించకుండా మళ్ళా ఎక్కుతా వున్నాడు" అని తిట్టినాడు.

ఆ మాటలకు శివయ్య నవ్వుతా "చూడు శేఖరూ... ఏదయినా ఒక పని చెబితే అడుగు కూడా ముందుకు వేయకుండా నా చేతగాదు అనే నీలాంటోడు ఎప్పటికీ విజయం సాధించలేడు. అసలు పని మొదలుపెట్టని వాని కన్నా, ఓడిపోయినా సరే అడుగు ముందుకు వేసినోడే గొప్పోడు. ఈ రోజు కాకపోయినా రేపయినా విజయం పొందుతాడు అని అన్నాడు.'శేఖరుడు సిగ్గుతో తలదించుకొన్నాడు'.

మనోజ్ నారాయణ
తొమ్మిదవ తరగతి

शिक्षक कोना

1.अपने जीवन को खूबसूरत बनाने के तरीके

हम दूसरों के प्रति अपने प्रेम को प्रकट करने के लिए ,उनसे संपर्क बनाने के लिए भरसक प्रयत्न करते रहते हैं, लेकिन इसके साथ ही साथ हमें स्वयं से भी प्रेम करना चाहिए। 'आत्मप्रेम'। जब आप 'आत्मप्रेम' के मतलब को समझ जाएँगे , तो ये आपको जीवन में बहुत आगे लेकर जाएगा। इसलिए हमें स्वयं से प्रेम करना चाहिए। स्वयं को दूसरों से कम नहीं समझना चाहिए । हमारे अंदर जितना दूसरों को प्रति इज्ज़त ,सम्मान, दया, प्रेम करने की भावना होती है उतना ही स्वयं के प्रति भी होना चाहिए । अगर भगवान ने दुनिया में कोई खूबसूरत चीज़ बनाई है, तो वह है 'मनुष्य' । इसलिए हमें रोज सुबह उठने के बाद भगवान को धन्यवाद देना चाहिए, कि भगवान ने हमें एक मौका और दिया है । जीवन में हमें कुछ-न कुछ सीखते रहना चाहिए,इससे हमें बहुत सारी चीज़ों की जानकारी बनी रहती है । अगर हम जीवन में सबसे ज्यादा अगर किसी चीज़ से सीखते हैं तो वह हैं हमारी गलतियाँ। गलतियों को देखने का नज़रिया बदलना होगा। हमें अपने जीवन में जो भी निर्णय लेना है बहुत सोच-समझकर लेना चाहिए । अपने अंदर कभी भी नकारात्मक सोच नहीं रखनी चाहिए । नकारात्मक ऊर्जा फैलाने वाली चीज़ों से दूरी बनाकर रखनी चाहिए । हमें अपने जीवन में केवल उन्हीं लोगों के साथ उठना-बैठना चाहिए जो हमारा भला चाहते हो , हमारा सही मार्गदर्शन करते हो । इन सभी बातों के साथ ही हमें 'समय का सदुपयोग' भी करना चाहिए, क्योंकि पूरे विश्व में केवल समय को ही भगवान ने सबको समान रूप से दिया है । न किसी को कम न किसी को ज्यादा । अगर हम जीवन में कभी असफल हो जाए तो हमें कभी निराश नहीं होना चाहिए । बल्कि दुबारा प्रयास करना चाहिए । सोहनलाल द्विवेदी ने कहा है कि – "लहरों से डरकर नौका पार नहीं होती , कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती ।" अपने जीवन को और बेहद खूबसूरत बनाने के लिए हमें दूसरों का सम्मान करना चाहिए तभी बदले में हमें भी सम्मान मिलेगा । अपने अंदर की गंदगी को निकालकर एक अच्छा इंसान बनकर ईमानदारी का जीवन जीना चाहिए ।

प्रशिक्षित स्नातक शिक्षिका

मंजू सिंह

प्राथमिक शिक्षा का महत्व

प्राथमिक विद्यालय शिक्षा का वह प्रारंभिक चरण है जो बच्चे की सीखने की यात्रा की नींव रखता है। यह एक महत्वपूर्ण अवधि है जहाँ बच्चे मौलिक कौशल विकसित करते हैं, ज्ञान प्राप्त करते हैं और अपने समग्र विकास को आकार देते हैं। यह शिक्षा 6 से 10 वर्ष की आयु के छात्रों की मदद करती है जब बच्चे जानकारी, कौशल और व्यक्तिगत विकास की खोज शुरू करते हैं। भारत में कई छात्रों के लिए, प्राथमिक शिक्षा बेहतर जीवन का प्रवेश द्वार है। यह बच्चों को भौतिकवाद के चक्र से बचने और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक बुनियादी पढ़ने, गणित और जीवन कौशल सिखाता है।

प्राथमिक विद्यालय ने माता-पिता और छात्रों, विशेष रूप से वंचित बच्चों दोनों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। शिक्षा का मूल लक्ष्य केवल पाठ्यपुस्तकों और कक्षाओं से कहीं अधिक है। यह आशा की एक हवा है और एक उज्जवल भविष्य की ओर एक शुरुआत है। यह माता-पिता को आशा और गर्व की भावना देता है क्योंकि वे देखते हैं कि उनके बच्चे ऐसी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं जो पहले उनकी पहुँच से बाहर थी और वे उनके विकास को देख सकते हैं। छात्रों के लिए, प्राथमिक विद्यालय उनके जीवन में बदलाव लाने के अवसर के रूप में कार्य करता है। प्राथमिक विद्यालय उन्हें आवश्यक जानकारी, कौशल और अवसर प्रदान करता है, जिससे वे असमानता के बंधनों से मुक्त हो सकते हैं।

माता-पिता को प्राथमिक शिक्षा के महत्व के बारे में पता होना चाहिए। यह सीखने, समग्र विकास और समान अवसरों का मजबूत आधार प्रदान करता है। यह बच्चों को आवश्यक साक्षरता और संख्यात्मक कौशल से लैस करता है, जिससे वे प्रभावी ढंग से संवाद करने, जानकारी को समझने और रोजमर्रा की समस्याओं को हल करने में सक्षम होते हैं। प्राथमिक शिक्षा की प्रमुख आवश्यकता आर्थिक विकास है, जिसका अर्थ है कि एक अच्छी तरह से शिक्षित आबादी कार्यबल, नवाचार और उत्पादकता के लिए

आवश्यक कौशल और ज्ञान से व्यक्तियों को लैस करके आर्थिक विकास और विकास को आगे बढ़ाती है।

-मोहम्मद इब्रहीम

(पी.आर. टी)

My Experience with Manifestation (and a Little Karma)

I've learned that our thoughts and energy have the power to shape our reality. When I focus on positive vibes like love, kindness, and gratitude, amazing things happen. But when I'm negative or fearful, things don't go so well. That's when karma comes knocking!

Think of karma like a mirror - what I put out into the world reflects back at me. So, if I'm spreading love and kindness, I get it back in spades. But if I'm being a grump, well... end up with a side of stress and drama!

What Works for Me

- Focusing on the good stuff
- Visualizing my dreams
- Being kind and compassionate (karma loves kindness!)
- Remembering that what goes around comes around (hello, karma!)

My Takeaway

Manifestation is real, and it's closely tied to karma. By being positive, mindful, and kind, I've seen amazing things happen in my life. And when I mess up (because, let's face it, I'm human!), karma gently reminds me to get back on track.

So, go ahead and give manifestation a try. Just remember to be kind, stay positive, and always keep karma in mind. Your future self will thank you!

- Shaik Leena Parveen, DEO.

HOPE

Hope is one of the most powerful forces in life. It gives us the strength to move forward, even in the darkest times. Here's why hope is essential:

1. Keeps Us Moving Forward

Life is full of challenges, but hope helps us believe that better days are ahead. It keeps us from giving up when things get tough.

2. Gives Us Strength in Difficult Times

When we face failures, losses, or disappointments, hope gives us the courage to keep trying. It reminds us that setbacks are temporary.

3. Improves Mental and Emotional Health

People who have hope are less likely to experience stress, anxiety, and depression. It brings positivity and peace to the mind.

4. Inspires Us to Take Action

Hope is not just about waiting for things to get better; it motivates us to work toward our goals and dreams, even when success seems far away.

5. Helps Build Resilience

Life is unpredictable, but hope helps us bounce back from failures and hardships. It teaches us to see opportunities even in struggles.

6. Spreads Positivity to Others

Hope is contagious. When we stay hopeful, we inspire those around us to believe in themselves and keep going.

Conclusion

Hope is like a light in the darkness. It doesn't change the situation instantly, but it gives us the strength to fight for a better future. No matter how hard life gets, holding on to hope can make all the difference.

P JAHNAVI, PRT

చదువే అందం

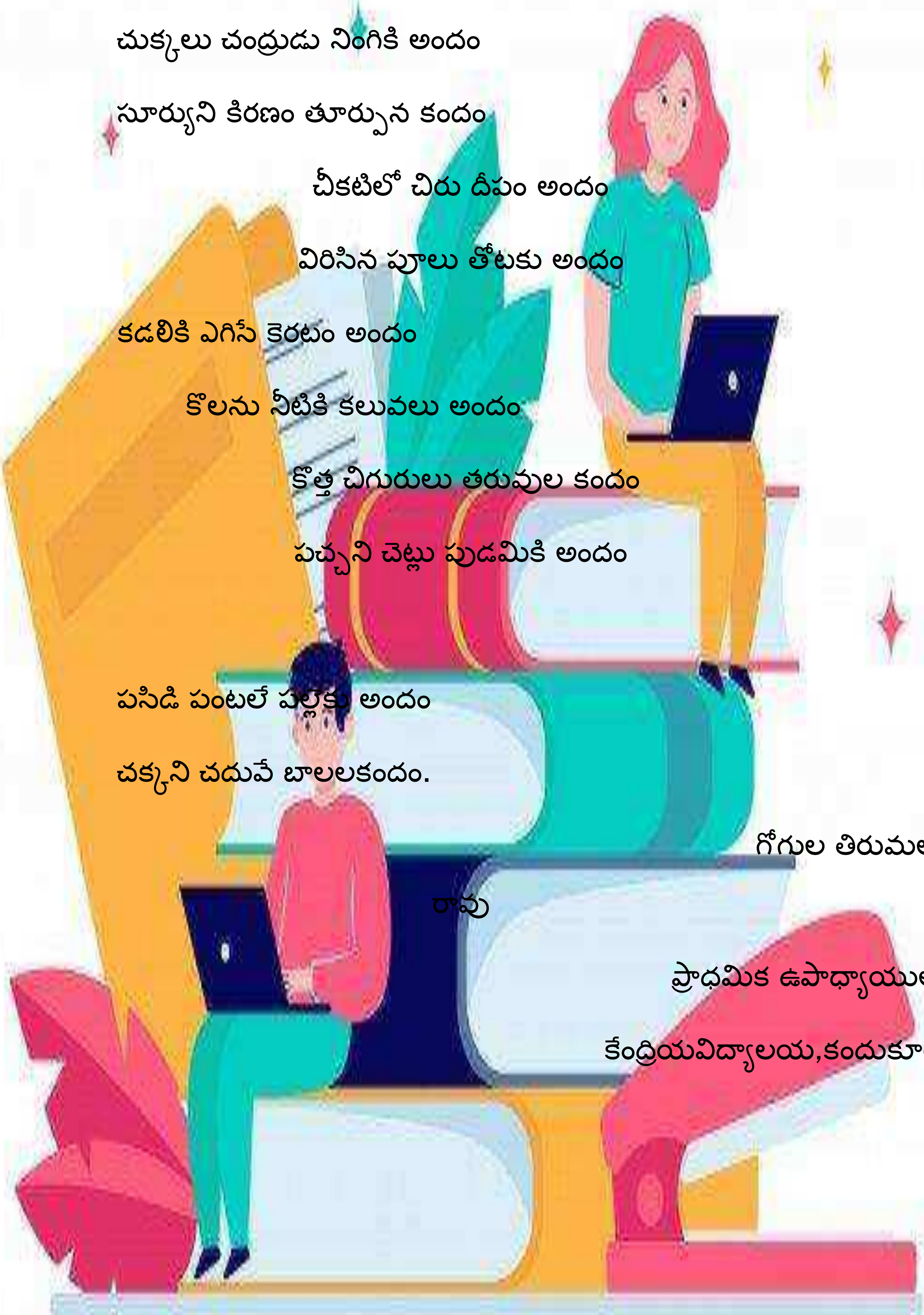

చుక్కలు చంద్రుడు నింగికి అందం

సూర్యుని కిరణం తూర్పున కందం

చీకటిలో చిరు దీపం అందం

విరిసిన పూలు తోటకు అందం

కడలికి ఎగిసే కెరటం అందం

కొలను నీటికి కలువలు అందం

కొత్త చిగురులు తరువుల కందం

పచ్చని చెట్లు పుడమికి అందం

పసిడి పంటలే పల్లెకు అందం

చక్కని చదువే బాలలకందం.

గోగుల తిరుమల

రావు

ప్రాధమిక ఉపాధ్యాయులు

కేంద్రియవిద్యాలయ,కందుకూరు

शैक्षणिक गतिविधियाँ

Academic Activities

2024-25

प्रेरणा उत्सव 03.04.2024 को विद्यालय स्तर पर मनाया गया

नशा मुक्त अभियान 06.04.2024 को विद्यालय स्तर पर मनाया गया

स्कूल छात्र नेता चुनाव 12.04.2024 को आयोजित हुआ

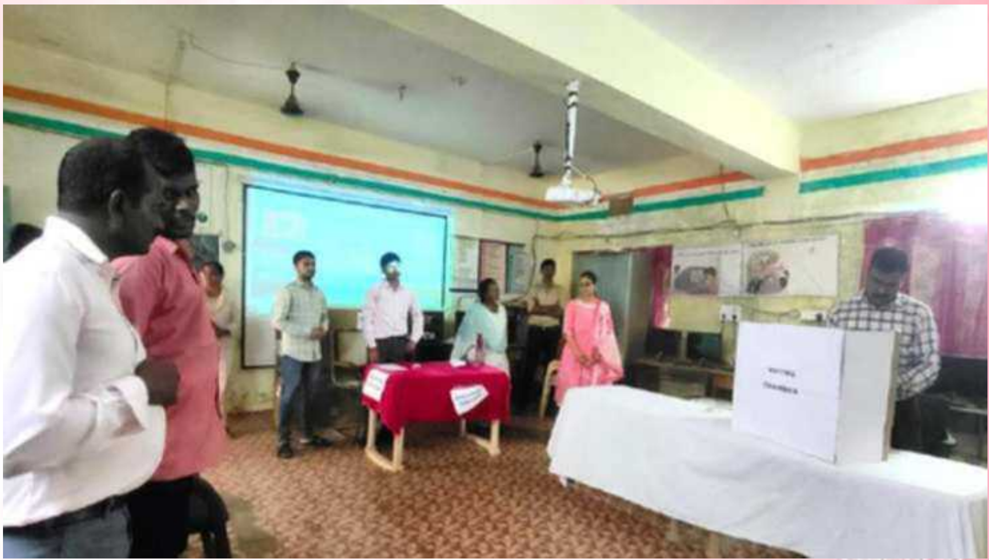

समर कैंप इको लाइफ 5.6.2024 से 12.6.2024 तक मनाया गया

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21.06.2024 को मनाया गया

1.7.2024 को कक्षा 1 के विद्यार्थियों का विद्या प्रवेश कार्यक्रम

22.7.2024 से 27.7.2024 तक शिक्षा सप्ताह मनाया गया

22.7.2024 से 27.7.2024 तक शिक्षा सप्ताह मनाया गया

एक पेड़ माँ के नाम 23.7.2024 को मनाया गया

15.08.2024 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया

16.8.2024 से 22.8.2024 तक पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह का आयोजन

1.9.2024 से 15.9.2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन हुआ

शिक्षक दिवस 5.9.2024 को मनाया गया

अलंकरण समारोह 12.9.2024 को आयोजित हुआ

अलंकरण समारोह 12.9.2024 को आयोजित हुआ

स्कूल कैप्टन (लड़कियां)

स्कूल कैप्टन (लड़के)

स्कूल अनुशासन कप्तान

स्कूल खेल कप्तान

हिन्दी दिवस 14.9.2024 को मनाया गया

वार्षिक निरीक्षण 20.9.2024

25.10.2024 को फायर मॉक ड्रिल आयोजित की गई

26.10.2024 को दादा-दादी दिवस मनाया गया।

28.10.2024 से 03.11.2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया

राष्ट्रीय एकता दिवस 30.10.2024 को मनाया गया

मेडिकल चेक-अप 04.11.2024 को आयोजित किया गया

14.11.2024 को बाल दिवस मनाया जाएगा

26.11.2024 को संविधान दिवस मनाया गया

राष्ट्र स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शिनी का आयोजन विद्यालय स्तर पर दिनांक 18.11.2024 को किया गया

नवंबर माह में आयोजित पीटीएम

भारतीय भाषा उत्सव मनाया गया - 04.12.2024 से 11.12.2024

05.12.2024 को विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस मनाया गया

10.12.2024 को औद्योगिक दौरा

केविसं स्थापना दिवस 15.12.2024 को मनाया गया

18.12.2024 को वार्षिक दिवस मनाया जाएगा

देखो अपना देश - 11.12.2024 से 17.12.2024

22.12.2024 को वार्षिक मिनी खेल दिवस मनाया गया

24.12.2024 को वीर बाल दिवस मनाया गया

17.01.2025 को उपायुक्त, केवीएस आरओ हैदराबाद का आकस्मिक दौरा

प्राथमिक छात्रों द्वारा सी.सी.ए. गतिविधियाँ

कक्षा VI से VIII के लिए बैगलेस दिवस

सत्र 2024-25 कक्षा X बैच

धन्यवाद